छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

# एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही,रविवार 11 अक्टूबर 2026 | वर्ष-07, अंक-102 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

## न्यूज इन शॉर्ट

### शरजील इमाम की अंतरिम जमानत रद्द कराने के लिए कोर्ट पहुंची दिल्ली पुलिस, शर्तों के उल्लंघन का आरोप



**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने दंगों से जुड़े मामले में शरजील इमाम की अंतरिम जमानत रद्द करने के लिए कोर्ट का रुख किया है। चचेरे भाइयों की शादी में अस्थायी रिहाई के दौरान शरजील ने पर शर्तों के उल्लंघन का आरोप है।दिल्ली पुलिस ने फरवरी 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े बड़ी साजिश के मामले में आरोपी शरजील इमाम को मिली अंतरिम जमानत रद्द करने की मांग को लेकर दिल्ली की कोर्ट का रुख किया है। दिल्ली पुलिस ने आरोप लगाया है कि अस्थायी रिहाई के दौरान मीडिया कर्मियों से बातचीत कर शरजील इमाम ने जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया।पुलिस केशादी में शामिल होने के लिए अस्थायी तौर पर रिहाई दी गई थी।

### जोधपुर के आसमान में गरजा अमेरिकी F-35, तरंग शक्ति-2026 में दिखी हवाई ताकत



**नई दिल्ली।** भारतीय वायुसेना के बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास तरंग शक्ति 2026 के दौरान अमेरिकी वायुसेना के 5वीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट स्न-35 ने जोधपुर के आसमान में पहली बार उड़ान भरी।भारतीय वायु सेना का बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास तरंग शक्ति-26 राजस्थान के जोधपुर में जारी है। इस दौरान अमेरिकी स्टील्थ फाइटर जेट स्न-35 ने जोधपुर के आसमान में उड़ान भरी। पांचवीं पीढ़ी का यह लड़ाकू विमान अपनी स्टील्थ तकनीक, आधुनिक सेंसर और नेटवर्क आधारित युद्ध क्षमता के लिए जाना जाता है।

### दुकानें बंद, रास्ते जाम दिल्ली में प्रदर्शन से 2000 करोड़ के नुकसान का अनुमान



**नई दिल्ली।**सीजेपी के प्रदर्शन से जनजीवन व कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ष्टञ्ज्ञद्ब के अनुसार, 2000 करोड़ के नुकसान का अनुमान है। सड़कों पर जाम, दुकानें बंद, और मेट्रो सेवा बाधित होने से लाखों लोग परेशान है।राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है। इस प्रदर्शन के लिए दिल्ली पुलिस ने पूरी ताकत झोंक दी है। इस प्रदर्शन की वजह से दिल्ली की सड़कों पर लंबा जाम लगा है। कई इलाकों में दुकानें बंद हैं। रोजी-रोजगार और व्यापार-कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इन सब में आखिरकार दिल्ली-एनसीआर में रह रहे लाखों करोड़ों लोग परेशान हो रहे हैं। व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री CTI ने करीब 2000 करोड़ के नुकसान का आंकलन किया है।

### ससुराल से लौटे, बच्चों को स्कूल छोड़ा और फिरज आरा में कारोबारी की हत्या से सनसनी



**नई दिल्ली।** बिहार के भोजपुर जिले के आरा शहर में शनिवार की सुबह एक सनसनीखेज वारदात से कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ गईं। अपने बच्चों को सुरक्षित स्कूल छोड़कर घर लौट रहे 36 वर्षीय हार्डवेयर कारोबारी उपेंद्र कुमार सिंह की दिनदहाड़े गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। अपाचे बाइक पर सवार होकर आए तीन नकाबपोश अपराधियों ने कारोबारी को घेरकर उनके सिर में बेहद करीब से गोली मारी और मौके से आसानी से फरार हो गए। घटना के बाद गंभीर हालत में कारोबारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

**शिक्षक संजय कुमार नामदेव ने प्रशिक्षण केंद्र में उपस्थित लोगों को विष्णु भोग चावल भेंट किया और इसकी विशेषताओं के बारे में बताया**

# गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में छग के संस्कृति से रूबरू कराया 18 राज्यों के प्रशिक्षार्थीयो को शिक्षक संजय कुमार नामदेव ने

**एक सत बुलेटिन ➤ जीपीएम**

एंकर गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले से असम के गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, लोक परंपराओं और पारंपरिक कला की झलक देखने को मिल रही है। केंद्र सरकार के सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में 18 राज्यों के 159 प्रशिक्षार्थी भाग ले रहे हैं। 14 अक्टूबर तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ से 15 प्रशिक्षार्थी शामिल हुए हैं। इनमें गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के पेंड्रा विकासखंड के शिक्षक संजय कुमार नामदेव भी जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं,प्रशिक्षण के दौरान शिक्षक संजय कुमार नामदेव ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत, राजकीय प्रतीकों, खानपान, रहन-सहन, पारंपरिक परिधानों, औद्योगिक क्षेत्रों, प्राकृतिक सौंदर्य और प्रमुख त्योहारों की जानकारी साझा की। उन्होंने सुआ, कर्मा और ददरिया जैसी लोक परंपराओं एवं लोकनृत्यों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की



विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान से दूसरे राज्यों के प्रशिक्षार्थियों को परिचित कराया।*विष्णु भोग चावल की खुशबू पहुंची असम तक*इस आयोजन में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के उत्कृष्ट धान उत्पादन और विशिष्ट पहचान रखने वाले विष्णु भोग चावल का भी विशेष रूप से परिचय कराया गया। शिक्षक संजय कुमार नामदेव ने प्रशिक्षण केंद्र में उपस्थित लोगों को विष्णु भोग चावल भेंट किया और इसकी विशेषताओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस चावल का स्वाद और सुगंध अद्भुत है तथा यह अपनी गुणवत्ता के कारण विशेष पहचान रखता है। इस पहल के माध्यम से जिले के विशिष्ट कृषि उत्पाद को दूसरे राज्य के लोगों तक पहुंचाने के साथ ही छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और कृषि विरासत को व्यापक पहचान दिलाने का प्रयास किया गया,कार्यक्रम में सांस्कृतिक जानकारी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रशिक्षार्थियों को जूट शिल्प, टेराकोटा कला, केन एवं बांस शिल्प, लोक चित्रकला, कठपुतली निर्माण तथा माइम एंड मूवमेंट जैसी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों की पारंपरिक कलाओं से परिचित कराने के साथ कला आधारित शिक्षण के नए तरीकों को विकसित करना है, ताकि शिक्षक विद्यार्थियों तक भारतीय कला, संस्कृति और परंपराओं की जानकारी अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचा सकें।

जिले के कलेक्टर विजय दयाराम के. और जिला शिक्षा अधिकारी रजनीश तिवारी ने शिक्षक संजय कुमार नामदेव को इस प्रशिक्षण यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने जिले के पर्यटन स्थलों, सांस्कृतिक विरासत और विष्णु भोग जैसे उत्कृष्ट कृषि उत्पादों की पहचान को असम सहित देश के अन्य राज्यों तक पहुंचाने के प्रयासों के लिए भी प्रोत्साहित किया है।



## बैरिकेडिंग न तोड़ें, एंबुलेंस को दें रास्ताज प्रदर्शनकारियों के लिए CJP की गाइडलाइंस

**नई दिल्ली।** कॉकरोच जनता पार्टी के प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर आयोजकों की ओर से 10 अक्टूबर के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं. प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने, कानून का पालन करने और किसी भी तरह की हिंसा से दूर रहने की अपील की गई है। निर्देशों में कहा गया है कि किसी भी उकसावे में आकर ऐसा कदम न उठाया जाए, जिससे प्रदर्शन का उद्देश्य प्रभावित हो या किसी की जान-माल को नुकसान पहुंचे।जारी गाइडलाइन में स्पष्ट किया गया है कि प्रदर्शन के दौरान पत्थरबाजी, आगजनी, सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और बैरिकेडिंग तोड़ने जैसी गतिविधियों से बचना होगा। प्रदर्शनकारियों से यह भी कहा गया है कि वे एंबुलेंस, दमकल की गाड़ियों और अन्य आपातकालीन सेवाओं के रास्ते बाधित न करें तथा अस्पतालों के प्रवेश द्वारों को खाली रखें।निर्देशों के मुताबिक, प्रदर्शन में लाठी, पत्थर, ज्वलनशील पदार्थ या किसी को चोट पहुंचाने वाली वस्तु लेकर नहीं आना चाहिए। पुलिसकर्मियों, अधिकारियों, पत्रकारों और आम लोगों के साथ दुर्व्यवहार, धमकी, नफरत फैलाने वाले भाषण और सांप्रदायिक टिप्पणी से भी बचने की सलाह दी गई है। प्रदर्शनकारियों से निर्धारित सीमाओं का सम्मान करने और प्रतिबंधित क्षेत्रों में जबरन प्रवेश नहीं करने को कहा गया है।गाइडलाइन में प्रदर्शनकारियों को सतर्क रहने और हिंसा या तोड़फोड़ के लिए उकसाने वाले किसी भी प्रयास में शामिल नहीं होने की सलाह दी गई है।

# पत्नी ने जहर खाकर दी जान- तो सदमे में पति फांसी से लटका

**घर की खुशियां उजड़ जाने की कई खबरें सामने आ चुकी हैं**

**एजेंसी ➤ नई दिल्ली**

उत्तर प्रदेश के रामपुर में पारिवारिक कलह के चलते एक दंपत्ति की मौत का मामला सामने आया है. पहले पत्नी ने जहरीला प्रदार्थ खा लिया. फिर पत्नी की मौत की खबर सुनते ही पति को सदमा लगा और उसने फांसी लगा ली. पारिवारिक कलह के कारण हंसते-खेलते घर की खुशियां उजड़ जाने की कई खबरें सामने आ चुकी हैं. अब एक ऐसी ही खबर उत्तर



प्रदेश के रामपुर से आई है. यहां पारिवारिक कलह की वजह से एक किसान परिवाक बिखर गया।

## कैफे संचालक की मौत से मची सनसनी, मां ने गर्लफ्रेंड पर लगाया हत्या का आरोप

**नई दिल्ली।** लखनऊ के अलीगंज इलाके में चौथी मंजिल से गिरकर 28 वर्षीय शिवा शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने शिवा की गर्लफ्रेंड श्रद्धा दुबे और उसके साथियों पर हत्या का आरोप लगाया है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में संदिग्ध हालातों में चौथी मंजिल से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। ये मामला अलीगंज थाना क्षेत्र से जुड़ा बताया जा रहा है। घटना शुक्रवार रात 10 बजे की है। मृतक युवक की पहचान 28 वर्षीय शिवा शर्मा के रूप में की गई है। युवक की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। परिजनों ने उसकी गर्लफ्रेंड श्रद्धा दुबे पर हत्या का आरोप लगाया है।

# महुआ मोइत्रा को 10 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस



**एजेंसी ➤ नई दिल्ली**

पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। राज्य के चीफ सेक्रेटरी मनोज अग्रवाल ने तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को 10 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा है। यह नोटिस महुआ मोइत्रा के सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर भेजा गया है। इन पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया था कि वोटर लिस्ट में बदलाव की प्रोसेस के दौरान लाखों असली वोटरों के नाम गैर-कानूनी तरीके से हटा दिए गए।

### महुआ मोइत्रा ने क्या आरोप लगाए थे

महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर मनोज अग्रवाल को 'वोट चोर' कहा था। साथ ही, आरोप लगाया था कि स्क्रूकी प्रोसेस के दौरान लाखों असली बंगाली वोटरों को उनके वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया गया। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने और हटाने की प्रोसेस को लेकर राजनीतिक बहस जारी है।मनोज अग्रवाल इससे पहले पश्चिम बंगाल के चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर के पद पर भी काम कर चुके हैं। उन्होंने महुआ मोइत्रा के आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि उन्होंने इलेक्शन कमीशन के निर्देशों और कानून के मुताबिक काम किया। उन्होंने किसी भी तरह की चुनावी धोखाधड़ी या गैर-कानूनी काम में शामिल होने के आरोपों को भी नकारा है।

### नोटिस में क्या मांग की गई है

मानहानि के इस नोटिस में महुआ मोइत्रा से 24 घंटे के अंदर विवादित सोशल मीडिया पोस्ट हटाने की मांग की गई है। इसके अलावा, उनसे बिना शर्त लिखित माफी मांगने को कहा गया है। नोटिस में यह भी कहा गया है।

**जल्द सुनवाई की मांग**

# 250 ट्रेनें रद्द, 45 मेट्रो स्टेशन बंद

**एजेंसी ➤ नई दिल्ली**

जनहित और मामले की गंभीरता का हवाला देते हुए, वकील ने अनुरोध किया है कि अवमानना याचिका को तुरंत भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखा जाए।सुप्रीम कोर्ट के 9 अक्टूबर, 2026 के आदेश का कथित तौर पर पालन न करने के मामले में अवमानना ??याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की गई है। वकील नरेंद्र मिश्रा ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को एक आवेदन सौंपा है, जिसमें मामले को तुरंत लिस्ट करने और उस पर सुनवाई करने का अनुरोध किया गया है।

मुख्य न्यायाधीश को सौंपे गए आवेदन में



एमए बेबी बनाम भारत संघ और अन्य मामले में(क्रिमिनल) डायरी नंबर 63544/2026 और (सिविल) डायरी नंबर 63560/2026 का ज़िक्र किया गया है। आवेदन के अनुसार, अवमानना ??याचिका में 9 अक्टूबर को पारित कोर्ट के आदेश के कथित उल्लंघन का मुद्दा उठाया गया है।

**बिना इजाजत सीजेपी का प्रोटेस्ट, दिल्ली पुलिस का एक्शन**



**ध्रुव राठी समेत 1000 से ज्यादा लोग हिरासत में लिए गए**

**एजेंसी ➤ नई दिल्ली**

सीजेपी का जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस अलर्ट है। प्रदर्शन से पहले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंशर ध्रुव राठी को गुरुग्राम में हिरासत में लिया गया है। इसके साथ ही और भी लोग डिटेन हुए हैं।कॉकरोच जनता पार्टी ने आज (शनिवार,10 अक्टूबर) को दिल्ली के जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करने की योजना बनाई है। हालांकि दिल्ली पुलिस ने इसकी इजाजत देने से इनकार कर दिया है। प्रदर्शन को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है।

**पुलिस के मुताबिक, ज्यादा संख्या में लोगों जमा होने का इनपुट मिला था**

# दिल्ली के कई रूटों पर ट्रैफिक बहाल, ट्रेनों को भी पटरी पर लाने की तैयारी

**एजेंसी ➤ नई दिल्ली**

सीजेपी के विरोध प्रदर्शन पर दिल्ली पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की। एक ओर जहां सुरक्षा के लिहाज से बरती गई सख्ती से लोगों को परेशानियां हुईं। वहीं प्रशासन की तरफ से ट्रैफिक सामान्य होने की जानकारी दी गईकॉकरोच जनता पार्टी की तरफ आज शनिवार को से जंतर मंतर पर प्रोटेस्ट का ऐलान किया गया था। पुलिस के मुताबिक, ज्यादा संख्या में लोगों जमा होने का इनपुट मिला था। ऐसे में दिल्ली पुलिस ने कई रूट पर सख्ती बरती, मेट्रो स्टेशन बंद किए और 200 से ज्यादा ट्रेनों को कैंसिल कर दिया था। आज सुबह से दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने कई डीटेन सेंटर बनाए, जिसमें एक



हजार से ज्यादा लोगों को रखा गया। इसी के साथ राष्ट्रीय राजधानी की स्थिति सामान्य हो रही है। कई रूटों पर ट्रैफिक को बहाल किया जा रहा है और ट्रेनों को भी पटरी पर लाने की तैयारी है।सीजेपी के कई बड़े कार्यकर्ताओं अभिजीत दिपके, आशुतोष रांका, सौरव दास को हिरासत में लेने के बाद प्रशासन लोगों के लिए फिर से स्थिति को सामान्य करने के लिए काम कर रहा है। ध्रुव राठी को भी सुबह ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया। अब कहीं भी ज्यादा भीड़ न जुटी होने और स्थिति सामान्य होता देख दिल्ली पुलिस ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। दिल्ली पुलिस की तरफ से जानकारी दी गई है कि धौला कुआं से सरदार पटेल मार्ग तक यातायात सामान्य चल रहा है।

### ट्रेनें बहाल करने पर तेजी हो रहा काम

कल से कई ट्रेनों के कैंसिल होने के बाद आज प्रशासन ट्रेनों को पटरी पर लाने की तैयारी कर रही है। कॉकरोच जनता पार्टी की लीडरशिप को हिरासत में लिए जाने के बाद भारतीय रेलवे ने ट्रेनों की सेवाएं बहाल करने का काम शुरू कर दिया है।

### 'सड़कों पर कोई पाबंदी नहीं'

तो हम अस्थायी डायवर्जन लागू करेंगे और सामान्य ट्रैफिक बहाल करने के लिए काम करेंगे। हमारा मकसद यह पक्का करना है कि आने-जाने वालों को कोई परेशानी न हो।

# अटल आरोग्य लैब बनी मरीजों का सहारा, चार माह में 23 हजार मरीजों की 87 हजार जांचें मुफ्त

**एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़**

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आम नागरिकों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल से शासकीय अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में संचालित अटल आरोग्य लैब मरीजों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। यहां महज चार माह में 23 हजार 001 मरीजों की विभिन्न प्रकार की 86 हजार 975 पैथोलॉजी जांचें पूरी तरह निःशुल्क की गई हैं। इससे मरीजों को निजी प्रयोगशालाओं में जांच कराने के लिए होने




वाले खर्च से राहत मिलने के साथ ही स्थानीय स्तर पर बेहतर जांच सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने तथा शासन की जनकल्याणकारी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जिला चिकित्सालय में सिविल सर्जन डॉ. दीपक जायसवाल के नेतृत्व एवं आवासीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार रात्रे के



पर्यवेक्षण में अटल आरोग्य लैब का संचालन किया जा रहा है। अत्याधुनिक जांच मशीनों से सुसज्जित इस प्रयोगशाला में वर्तमान में 134 प्रकार की उच्चस्तरीय पैथोलॉजी जांच सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं। इससे जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से उपचार के लिए पहुंचने वाले मरीजों को विभिन्न जांचों के लिए अन्यत्र जाने की आवश्यकता कम हुई है। अटल आरोग्य लैब की इस उपलब्धि में पैथोलॉजिस्ट डॉ. रमेश साहू सहित प्रयोगशाला में कार्यरत सभी चिकित्सा प्रयोगशाला तकनीशियनों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। चिकित्सकीय दल द्वारा मरीजों को समय पर जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। चार माह की अवधि में बड़ी संख्या में मरीजों की जांच होना जिला चिकित्सालय में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं के व्यापक उपयोग को दर्शाता है। सिविल सर्जन डॉ. दीपक जायसवाल ने बताया कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप जिला चिकित्सालय में मरीजों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि आवश्यक जांच के लिए निजी प्रयोगशालाओं में अधिक राशि खर्च करने के बजाय जिला चिकित्सालय में उपलब्ध निःशुल्क अटल आरोग्य लैब की सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

# झारखंड की 30.3 बल्क लीटर देशी शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

***नरदहा-चंद्रखुरी मार्ग पर आबकारी विभाग की कार्रवाई; मोटरसाइकिल भी जब्त***

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश और उपायुक्त आबकारी श्री प्रवीन वर्मा के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग ने नरदहा-चंद्रखुरी मार्ग पर कार्रवाई करते हुए झारखंड राज्य की 30.3 बल्क लीटर देशी शराब जब्त की। शराब का परिवहन मोटरसाइकिल से किया जा रहा था। मामले में झारखंड निवासी आरोपी राजेश प्रसाद सिंह , निवासी सेक्टर 9डी, बोकारो



स्टील प्लांट, जिला बोकारो को गिरफ्तार किया गया है।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री आशीष सिंह के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में 21 अद्धी और 120 पाव देशी शराब जब्त की गई। शराब की अनुमानित बाजार कीमत 6,765 रुपये तथा जब्त मोटरसाइकिल की कीमत लगभग 45 हजार रुपये बताई गई है। शराब पर आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क), 34, 36 एवं 59(क) के तहत एक प्रकरण कायम किया गया है। कार्रवाई में सब-इंस्पेक्टर श्री विक्रम ठाकुर, श्री अरविंद साहू, मुख्य आरक्षक श्री संतोष गुप्ता, आरक्षक श्री विवेक श्रीवास्तव, श्री सुरेश सूर्यवंशी एवं श्रीमती इंदु भास्कर तथा वाहन चालक श्री अविनाश थुल का सराहनीय योगदान रहा।

# वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा: अंबिकापुर के संजय पार्क में खुलेगा अत्याधुनिक ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा- अंबिकापुर के संजय पार्क में खुलेगा अत्याधुनिक ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर छत्तीसगढ़ में वन्यजीव संरक्षण और वनांचल के ग्रामीणों की सुविधाओं के विस्तार की दिशा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। वन मंत्री श्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में शनिवार को नवा रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में राज्य वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की पहली बैठक हुई। इसमें अंबिकापुर के संजय पार्क में आधुनिक वन्यजीव ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर स्थापित करने को मंजूरी दी गई। साथ ही संरक्षित वन क्षेत्रों की 18 ग्रामीण सड़कों के उन्नयन संबंधी प्रस्ताव भारत सरकार को भेजने की अनुशंसा की गई। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार वन्यजीव संरक्षण के साथ वनांचल के ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम, घायल वन्यप्राणियों के त्वरित उपचार और वन क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अंबिकापुर में प्रस्तावित उपचार केंद्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष और दुर्घटनाओं में घायल वन्यप्राणियों के त्वरित बचाव, प्राथमिक उपचार और अल्पकालिक देखरेख की सुविधा उपलब्ध होगी। वहीं, पीएम जनमन योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत भोरमदेव अभयारण्य की 3, इंद्रावती टाइगर रिजर्व की 14 और जशपुर के बादलखोल अभयारण्य



की एक सड़क के उन्नयन की अनुशंसा की गई। इन सड़कों के उन्नयन से बैगा सहित अन्य विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदायों की बस्तियों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और आपातकालीन सेवाओं की पहुंच बेहतर हो सकेगी।

बैठक में जनभागीदारी के आधार पर चयनित 'ऑरेंज ओकलीफ' को छत्तीसगढ़ की पहली राजकीय तितली घोषित करने के प्रस्ताव का परीक्षण पूर्ण कर आगे की कार्यवाही करने की मंजूरी दी गई। बारनवापारा अभयारण्य में काले हिरणों के सफल संरक्षण के बाद गोमर्डा अभयारण्य में 50 काले हिरणों के स्थानांतरण को भी स्वीकृति दी गई।

समिति ने हाथियों एवं अन्य वन्यजीवों से फसल क्षति के मुआवजे की दरों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जिलावार एवं फसलवार बीमित राशि के आधार पर अद्यतन करने के प्रस्ताव पर आगे विचार करने का निर्णय लिया। हाथी प्रभावित क्षेत्रों में कच्चे मकानों को पक्का करने के लिए विशेष मुख्यमंत्री आवास योजना के प्रस्ताव को उच्चस्तरीय बैठक में विचारार्थ रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में विधायक श्री धर्मजीत सिंह, श्रीमती गोमती साय और श्री चैतराम अटामी, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव श्री अमरनाथ प्रसाद, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एवं मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक श्री ओ.पी. यादव सहित समिति के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर एक्शन में पीडब्ल्यूडी, सड़कों की मरम्मत युद्धस्तर पर शुरू

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के निर्देश के बाद अंबिकापुर में सड़कों को गड्ढामुक्त करने की मुहिम तेज हो गई है। सरगुजा प्रवास के दौरान सड़कों की बदहाल स्थिति सुधारने और मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के उनके निर्देशों पर लोक निर्माण विभाग ने अमल शुरू कर दिया है। शहर के महामाया चौक से लरंग साय चौक तक सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों की बीटी पैच मरम्मत युद्धस्तर पर शुरू कर दी गई है। विभाग को वित्तीय वर्ष 2026-27 में वार्षिक संधारण मद से 3 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है। इस राशि से लोक निर्माण विभाग के अंबिकापुर संभाग के विभिन्न मार्गों के कुल 150 किलोमीटर हिस्सों का संधारण किया जाएगा। सभी निर्धारित मरम्मत कार्यों को दिसम्बर तक पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर एक्शन में पीडब्ल्यूडी, सड़कों की मरम्मत युद्धस्तर पर शुरू

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने सरगुजा प्रवास के दौरान विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए सड़कों




की स्थिति सुधारने के निर्देश दिए थे। उन्होंने अधिकारियों से कहा था कि सड़कों पर बने गड्ढों की शीघ्र मरम्मत की जाए, ताकि आम नागरिकों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने सड़क संधारण कार्यों में तेजी लाने और यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया था। उनके निर्देशों के अनुपालन में लोक निर्माण विभाग ने प्राथमिकता के आधार पर सड़कों की मरम्मत के कार्य शुरू कर दिए हैं।

लोक निर्माण विभाग ने अंबिकापुर में महामाया चौक से लरंग साय चौक तक बीटी पैच मरम्मत का काम प्रारंभ किया है। सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों और गड्ढों को दुरुस्त कर आवागमन सुगम बनाने पर जोर दिया जा रहा है। विभाग स्वीकृत संधारण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने तेजी से काम कर रहा है। मरम्मत पूरी होने से वाहन चालकों और आम नागरिकों को सड़क के गड्ढों से होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। साथ ही आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकेगा। विभाग द्वारा अन्य स्वीकृत संधारण कार्यों को भी तय समय-सीमा में पूरा करने आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

# वानिकी छात्रों ने शासन के 50 प्रतिशत आरक्षण के फैसले के लिए वन मंत्री श्री केदार कश्यप का जताया आभार



**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य में वानिकी के विद्यार्थियों के हित में लिए गए ऐतिहासिक निर्णय के फलस्वरूप वन मंत्री श्री केदार कश्यप का । शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शासन के इस दूरगामी फैसले के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं विभाग के समस्त छात्र-छात्राओं ने वन मंत्री श्री कश्यप का आभार व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन किया। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर वानिकी विषय में विशेषज्ञता हासिल करने वाले छात्रों के उज्ज्वल भविष्य और रोजगार के अवसरों को विस्तार देते हुए सहायक वन संरक्षक और वन परिक्षेत्र अधिकारी के पदों पर होने वाली सीधी भर्ती में 50 प्रतिशत पद आरक्षित करने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि वानिकी के छात्रों ने कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षित इस मांग के पूरा होने से राज्य में वानिकी की पढ़ाई कर रहे युवाओं में नया उत्साह और विश्वास जागा है।

# विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व मनाने के लिए अनुमति पूजा विधान में दिखी अपार उत्साह

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व मनाने के लिए अनुमति पूजा विधान में दिखी अपार उत्साह

अनुष्ठान के दौरान बस्तर राजपरिवार के सदस्य श्री कमलचंद भंजदेव ने काछन देवी के समक्ष शीश झुकाकर उनका आशीर्वाद लिया और इसके पश्चात उन्होंने गोलबाजार पहुंचकर मिरगान समुदाय की इष्ट देवी मां रैला देवी की विधिवत पूजा-अर्चना कर उनका भी आशीर्वाद प्राप्त किया। जैसे ही यह ऐतिहासिक और पारंपरिक रस्म पूरी हुई। इस दौरान पूरा काछन गुड़ी और गोलबाजार इलाका पारंपरिक वाद्य-ध्वनियों मोहरी बाजा की गूंज से गुंजायमान हो उठा।

इस ऐतिहासिक और पावन क्षण के साक्षी बनने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और देश-विदेश से पहुंचे हजारों सैलानियों तथा समूचे बस्तर अंचल के श्रद्धालुओं का



तांता लगा रहा। कार्यक्रम में सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष श्री महेश कश्यप, बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष श्री बलराम मांझी, महापौर श्री संजय पाण्डे सहित कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह, आईजी बस्तर रेंज श्री बीएन मीणा, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा तथा पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा सहित मांझी-चालकी, नाइक-पाइक और मेंबर-मेंबरिन, पुजारी, गायता और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। बस्तर दशहरा पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि यहां की जीवंत आदिवासी संस्कृति और अटूट आस्था का सबसे बड़ा प्रतीक है, जो बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी को समर्पित एवं उनकी अगाध श्रद्धा को दर्शाता है। इस महापर्व में यहाँ के हर समुदाय की सहकार एवं सक्रिय सहभागिता जुड़ा हुआ है और इस भव्य शुरुआत के साथ ही अब विश्व प्रसिद्ध महापर्व के विविध अनुष्ठानों का सिलसिला अनवरत जारी रहेगा।



# खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए ऑयल पाम की खेती को मिलेगा बढ़ावा

***खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए ऑयल पाम की खेती को मिलेगा बढ़ावा***

***ऑयल पाम का लक्ष्य केवल पौधरोपण नहीं, बल्कि किसानों को लाभान्वित कर तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है- संचालक श्री लोकेश कुमार***

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए ऑयल पाम की खेती को मिलेगा बढ़ावा राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में ऑयल पाम की खेती का विस्तार कर खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में प्रयास तेज किए जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहायक आयुक्त (ऑयल पाम) श्री कृष्णकांत दुबे ने प्रवास के अंतिम दिन उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों एवं राज्य सरकार से अनुबंधित ऑयल पाम प्रसंस्करण कंपनियों के प्रतिनिधियों की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली।

बैठक में उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी संचालक श्री लोकेश कुमार ने कहा कि ऑयल पाम योजना का उद्देश्य केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि पौधों का समुचित विकास, उत्पादन में वृद्धि और किसानों को आर्थिक लाभ सुनिश्चित करते हुए खाद्य तेलों के आयात पर निर्भरता कम करना है। उन्होंने कहा कि योजना की सफलता के लिए विभागीय अधिकारियों, किसानों और प्रसंस्करण कंपनियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है।

सहायक आयुक्त श्री कृष्णकांत दुबे ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में ऑयल पाम की खेती के निरीक्षण के अनुभव साझा करते हुए कहा कि भारत सरकार आगामी वर्षों में ऑयल पाम के क्षेत्र विस्तार का लक्ष्य बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही है।

# विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कर दी गई विधिक जानकारी

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशन में, माननीय श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन में तथा श्रीमती स्वर्णलता ओम यादव, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की उपस्थिति में दिनांक 10 अक्टूबर 2026 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शासकीय पंडित जवाहरलाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेमेतरा में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, मानसिक तनाव से बचाव, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान तथा ऐसे परिस्थितियों में उचित सहायता प्राप्त करने के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों एवं भेदभाव को दूर करने और मानसिक स्वास्थ्य




संबंधी समस्याओं से प्रभावित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार अपनाने पर जोर दिया गया।इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की ओर से मानसिक स्वास्थ्य से प्रभावित व्यक्तियों के अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता की उपलब्धता तथा जरूरतमंद व्यक्तियों को विधिक सेवा संस्थाओं के माध्यम से सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मानसिक समस्याओं के संबंध में खुलकर बात करने के लिए प्रोत्साहित करना तथा आवश्यकता पड़ने पर समय पर चिकित्सकीय एवं विधिक सहायता प्राप्त करने के प्रति जागरूक करना रहा। साथ ही सचिव महोदया द्वारा साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा साइबर अपराध घटित होने पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया व साइबर टोल फ्री नंबर 1930 के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम, महिलाओं के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों, आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका तथा शिकायत निवारण की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। विधिक सेवा योजनाओं के अंतर्गत पात्र महिलाओं को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने, उनके अधिकारों के संरक्षण तथा न्याय तक सुलभ पहुँच सुनिश्चित करने के संबंध में भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर अधिकार मित्र द्वारा जिला जेल बेमेतरा, जिला अस्पताल बेमेतरा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला भेड़नी एवं ग्राम नांदल , आयुषमान आरोग्य मंदिर कुसमी , उचित मूल्य की दुकान खण्डसरा , तालूका स्तर साजा के परपोड़ी में भी शिविर आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रोफेसर,स्कूल से शिक्षकगण, जिला अस्पताल से डॉक्टर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त अधिकार मित्र उपस्थित रहे।

## न्यूज इन शॉर्ट



### पर्यटन के जरिए ग्रामीण सशक्तिकरण: श्री विष्णु देव साय सरकार की अनूठी पहल

रायपुर,छत्तीसगढ़ उत्तर से दक्षिण तक नैसर्गिक विरासत की अमूल्य धरा है, जहां नदियां, पहाड़, घने जंगल, जलप्रपात, समृद्ध आदिवासी संस्कृति और जनजातीय परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य दुनिया को छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और प्राकृतिक विविधता से परिचित कराना है।

छत्तीसगढ़ का बस्तर, पर्यटन के नक्शे पर अपनी पहचान, संस्कृति और प्रकृति की अनुपम छटा वाले पर्यटन क्षेत्र के रूप में जाना जा रहा है। वास्तव में बस्तर का वन क्षेत्र बेहद निराला है। प्रकृति की हरियाली और स्वच्छता पर्यटकों को आकर्षित करता है। धीरे-धीरे बस्तर न केवल विकास की धारा से जुड़ रहा है बल्कि पर्यटन के हिसाब से भी तेजी से बदल रहा है। यहां का खूबसूरत इलाका अपनी अनोखी आदिवासी संस्कृति, घने जंगलों की छटा सबका ध्यान खींच रहा है। साथ ही, यहां के लोगों का भावपूर्ण और अतिथि सत्कार भी दुनिया भर के पर्यटकों को लुभा रहा है। *जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए 'छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति' तैयार*

छत्तीसगढ़ अब अपनी माटी की खुशबू, समृद्ध जनजातीय परंपराओं और गांवों के नैसर्गिक सौंदर्य के दम पर देश-दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर छाने को तैयार है। राज्य सरकार ने पर्यटन के विकास के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देने के लिए नई औद्योगिक नीति (2024-2030) में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया है। साथ ही जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए 'छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति' तैयार की है। इसी कड़ी में अब ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार' की शुरुआत की गई है। इन तीनों निर्णयों से गांवों में रोजगार, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण का नया अध्याय शुरू होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार का यह त्रिआयामी मॉडल पर्यटन को स्थानीय लोगों के आर्थिक सशक्तिकरण की प्रक्रिया को और अधिक मजबूत करेगा। *विश्व प्रसिद्ध बस्तर का दशहरा*

बारिश का मौसम बीतने के बाद से ही यहां हरे-भरे जंगल, पहाड़ और उनके उफनते पर्यटकों का मन मोह रहे हैं। इसलिए आज की तारीख में बस्तर भी देश के बेहतरीन पर्यटन स्थलों में एक साबित हो रहा है। हालांकि बस्तर का दशहरा बहुत पहले से प्रसिद्ध है, 75 दिनों तक चलने वाले बस्तर के दशहरा में कुछ खास होने वाला है, लेकिन हाल के दिनों में इस अवसर पर जुटने वाले सैलानियों की संख्या में खासा इजाफा दर्ज किया गया है। इस वर्ष भी यहां का दशहरा देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। नवरात्रि और दशहरा के अलावा यहां दीपावली पर भी दुनिया भर से भारी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं।

*बस्तर के सहज जीवन से वैश्विक पहचान तक*

बस्तर के बालक 'चेन्दरू मंडावी' की बाघ 'टेंबू' के साथ दोस्ती ने कभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के सहज ग्रामीण जीवन का डंका बजाया था।उसी नाम से राज्य सरकार ने 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार' की शुरुआत की है। इसके लिए 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार नियम 2025' लागू किया गया हैजो पूरे छत्तीसगढ़ में प्रभावी होगा। इस पुरस्कार के तहत ग्रामीण पर्यटन, लोककला, हस्तशिल्प और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण में लगे जमीनी नायकों या संस्थाओं को 1 लाख रुपये की नकद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक की अध्यक्षता वाली 6 सदस्यीय ज्यूरी इसका चयन करेगी और विजेता को राज्योत्सव के मंच पर सम्मानित कर उन पर एक सचित्र स्मारिका जारी की जाएगी।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार की शुरुआत की गई है।

# गन्ना किसानों के हित में बड़ा निर्णय- अब 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से होगी गन्ने की खरीदी

## अन्नदाता की खुशहाली और खेती को लाभकारी बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री श्री साय

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के गन्ना किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए शक्कर कारखानों में गन्ने की खरीदी अब 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किए जाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता की खुशहाली ही समृद्ध छत्तीसगढ़ का आधार है। किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिले, खेती लाभकारी बने और किसान परिवार आर्थिक रूप से निरंतर सशक्त हों, इसके लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री श्री साय से आज भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में संगठन मंत्री श्री मनीष शर्मा, महामंत्री श्री नवीन शेष सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव और श्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रदेश के किसानों से जुड़े



विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के दौरान गन्ना उत्पादक किसानों के हितों से संबंधित विषय भी प्रमुखता से सामने आया। मुख्यमंत्री ने किसानों की भावनाओं और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर त्वरित पहल की और शक्कर कारखानों के लिए गन्ने की खरीदी 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करने का निर्णय लिया।पेराई सत्र 2025- 26 में की गई खरीदी का भुगतान भी बढ़े हुए दर पर किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत को कम करने तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार भी किसानों के हितों को अपनी नीतियों और निर्णयों के केंद्र में रखकर आगे बढ़ रही है। किसानों की आवश्यकताओं और समस्याओं के प्रति सरकार संवेदनशील है तथा किसान हित से जुड़े विषयों पर प्राथमिकता से निर्णय लिए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण समृद्धि में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। खेती-किसानी मजबूत होगी तो गांव मजबूत होंगे और गांवों की समृद्धि से ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। राज्य सरकार का प्रयास है कि किसानों को उनकी उपज का उचित और बेहतर मूल्य मिले तथा कृषि उनके लिए सम्मानजनक और लाभकारी आजीविका का सशक्त माध्यम बने।

# 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' थीम पर छात्राओं ने रंगोली से दिया राष्ट्रसेवा का संदेश

## वन मंत्री श्री केदार कश्यप सेवा संकल्प अभियान के तहत जगदलपुर में भारत मंडला कार्यक्रम में हुए शामिल

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि युवा शक्ति विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का सबसे बड़ा आधार है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और संकल्प से वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य पूरा होगा। श्री कश्यप जगदलपुर के शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित भारत मंडला कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प से बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे और शांति एवं विकास के नए युग की शुरुआत हो रही है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण और




समाजसेवा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' थीम पर आकर्षक रंगोली बनाकर राष्ट्रसेवा का संदेश दिया। वन मंत्री श्री कश्यप ने कार्यक्रम में रंगोली बनाने वाली छात्राओं और सेवा संकल्प अभियान में सक्रिय योगदान देने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर महापौर श्री संजय पांडेय, पूर्व विधायक डॉ सुभाऊ कश्यप सहित कॉलेज के प्राचार्य और प्राध्यापक गण तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

# टीबी मुक्त भारत अभियान को जशपुर में मिलेगी नई गति, जोश टीम का हुआ शुभारंभ

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में जशपुर जिले में जनभागीदारी और युवाओं की सक्रिय भूमिका को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में टीबी उन्मूलन के प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा पंचायत स्तर पर व्यापक जनजागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से जिला पंचायत परिसर जशपुर के बैठक हॉल में 8 अक्टूबर को टीबी मुक्त भारत टीम (जोश टीम) का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वर्ष 2025 में टीबी मुक्त पंचायत के रूप में सम्मानित जिले की 225 ग्राम पंचायतों के सरपंचों और टीबी रोगियों की सहायता में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले 5 निक्षय मित्रों को सम्मानित किया गया।

*जोश टीम से टीबी उन्मूलन अभियान में बढ़ेगी युवाओं की भागीदारी*

टीबी मुक्त भारत अभियान को



जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से कार्यक्रम में टीबी मुक्त भारत टीम (छ्हस॥ टीम) का शुभारंभ किया गया। इस पहल के माध्यम से राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और मेरा युवा भारत के स्वयंसेवकों को अभियान से जोड़ा जाएगा।

जोश टीम के सदस्य गांवों और समुदायों में पहुंचकर लोगों को टीबी के लक्षणों, समय पर जांच, नियमित उपचार और पोषण संबंधी देखभाल के महत्व की जानकारी देंगे। इसके साथ ही टीबी के प्रति समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने और मरीजों को उपचार के लिए प्रोत्साहित करने में भी सहयोग करेंगे।

## छात्रवृत्ति से कम हुआ पढ़ाई का आर्थिक बोझ, उच्च शिक्षा जारी रखने का बढ़ा उत्साह

# सेवा संकल्प अभियान 2026 : सेवा की कहानी: किसान परिवार के कृष्णा यादव की उच्च शिक्षा में सहारा बनी छात्रवृत्ति

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

किसान परिवार के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा का सपना पूरा करना कई बार आर्थिक चुनौतियों से भरा होता है। परिवार की सीमित आय के बीच कॉलेज की पढ़ाई, किताबें, कॉपी और आने-जाने का खर्च जुटाना आसान नहीं होता। ऐसे में शासन की छात्रवृत्ति योजनाएं विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई जारी रखने और भविष्य के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण सहयोग दे रही हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सरगुजा जिले के राजीव गांधी पीजी कॉलेज में बीएससी प्रथम सेमेस्टर के छात्र कृष्णा यादव की कहानी इसी सहयोग का उदाहरण है। किसान परिवार से आने वाले कृष्णा के लिए छात्रवृत्ति केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा की राह पर आगे बढ़ने का संबल बन रही है।

### *खेती पर निर्भर परिवार, उच्च शिक्षा के सपनों को मिला सहारा*

कृष्णा यादव बताते हैं कि उनके पिता कृषि कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार में उनके अलावा एक भाई और एक बहन भी हैं। खेती से होने वाली आय पर निर्भर परिवार में घर की जरूरतों के साथ बच्चों की शिक्षा का खर्च संभालना चुनौतीपूर्ण होता है। कॉलेज में प्रवेश के बाद किताबें, कॉपी और अन्य शैक्षणिक सामग्री के साथ नियमित आवागमन का खर्च भी आवश्यक होता है। ऐसे में शासन से मिलने वाली छात्रवृत्ति कृष्णा की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने में



मददगार साबित हो रही है।

### *किताबों और आवागमन के खर्च में मिली राहत*

कृष्णा बताते हैं कि छात्रवृत्ति की राशि से उन्हें किताबें और कॉपी खरीदने के साथ कॉलेज आने-जाने के खर्च में सहायता मिलती है। इससे पढ़ाई से जुड़ी जरूरी आवश्यकताओं को पूरा करना आसान हुआ है। छात्रवृत्ति मिलने से उन्हें अपनी शिक्षा आगे बढ़ाने का प्रोत्साहन भी मिला है। वे अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करते हुए उच्च शिक्षा के सपने को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कृष्णा ने छात्रवृत्ति से मिल रही सहायता पर खुशी व्यक्त करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रति आभार जताया। उनका कहना है कि छात्रवृत्ति जैसी सहायता विद्यार्थियों को पढ़ाई जारी रखने और अपनी शैक्षणिक जरूरतें पूरी करने में सहयोग देती है। शिक्षा के सपनों को मिल रहा आर्थिक संबल आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने में छात्रवृत्ति योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

# दीपावली से पहले शहर को कचरामुक्त करें, सेवाओं में देरी बर्दाश्त नहीं : श्री सोनमणि बोरा

## निगम के अफसर रोज सुबह फील्ड में उतरें, अधूरे निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

नगरीय प्रशासन एं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने भिलाई नगर निगम के अधिकारियों को नागरिकों को समय पर सेवाएं देने और शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिक कस्टमर हैं, इसलिए सेवाओं में देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को रोज सुबह फील्ड निरीक्षण करने और दीपावली से पहले शहर को कचरामुक्त बनाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने 15वें वित्त आयोग के तहत चल रहे अधूरे निर्माण कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताई।

दीपावली से पहले शहर को कचरामुक्त करें, सेवाओं में देरी बर्दाश्त नहीं - श्री सोनमणि बोरा

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने नवा रायपुर स्थित सर्किट हाउस में आयोजित समीक्षा बैठक में भिलाई नगर निगम में लंबित कार्यों और नागरिक सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से



कार्यप्रणाली में सुधार लाने और नागरिकों के प्रति संवेदनशील व्यवहार करने को कहा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक श्री नीलेश क्षीरसागर, सूडा के सीईओ श्री सुमीत अग्रवाल और भिलाई नगर निगम की आयुक्त सुश्री सुरुचि सिंह भी बैठक में मौजूद थीं।

रोज सुबह निरीक्षण कर भेजें रिपोर्ट

प्रमुख सचिव ने जोन कमिश्नरों, उपायुक्तों और अपर आयुक्तों को प्रतिदिन सुबह मॉर्निंग विजिट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने क्षेत्रों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर कमियों और कार्यों की प्रगति की रिपोर्ट निर्धारित ग्रुप में साझा करें, ताकि समय पर सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

### *दीपावली से पहले शहर को करें कचरामुक्त*

स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा के दौरान बोरा ने सभी जोन कमिश्नरों को दीपावली से पहले भिलाई को कचरामुक्त बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत कचरा प्रबंधन, प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना और संचालन से जुड़े कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने कचरे के उचित प्रसंस्करण और स्वच्छता व्यवस्था की लगातार निगरानी पर भी जोर दिया।

### *अधूरे निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश*

श्री बोरा ने 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की धीमी प्रगति पर प्रमुख नाराजगी जताई। उन्होंने लंबित निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने, तकनीकी समस्याओं का तत्काल निराकरण करने और नियमित निगरानी के जरिए कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने को कहा।

## प्रभावित परिवारों को शीघ्र मिले नियमानुसार मुआवजा, नुकसान के आकलन और राहत संबंधी कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश

# हाथी प्रभावित गांवों में पहुंचे पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, ग्रामीणों से मिलकर जाना हाल, अधिकारियों को दिए त्वरित राहत के निर्देश

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के हाथी प्रभावित ग्राम मरडीह, फुंगी और कुरमंतपारा का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने हाथियों की गतिविधियों से प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा क्षेत्र में हुए नुकसान की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने वन विभाग के अधिकारियों, एसडीएम और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हाथी प्रभावित गांवों में पहुंचे पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, ग्रामीणों से मिलकर जाना हाल, अधिकारियों को दिए त्वरित राहत के निर्देश मंत्री श्री अग्रवाल ने प्रभावित गांवों के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और हाथियों के कारण उत्पन्न परिस्थितियों तथा उन्हें हो रही परेशानियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान और राहत संबंधी कार्रवाई की जानकारी प्राप्त की।



मंत्री श्री अग्रवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि हाथियों से प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो तथा उनके नुकसान का नियमानुसार आकलन कर मुआवजा प्रदान करने की प्रक्रिया प्राथमिकता के साथ पूरी की जाए।

*प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने में न हो अनावश्यक विलंब*

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाथियों के कारण हुए नुकसान का गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ आकलन किया जाए। प्रभावित परिवारों के प्रकरणों में आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर नियमानुसार मुआवजा दिलाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को समय पर राहत उपलब्ध कराना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ऐसे मामलों में विभागीय समन्वय बनाए रखते हुए त्वरित कार्रवाई की जानी चाहिए।मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि हाथियों की गतिविधियों के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पन्न परिस्थितियों को लेकर शासन पूरी तरह संवेदनशील है। ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रभावित परिवारों को आवश्यक राहत दिलाने के लिए सभी संबंधित विभागों को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करना होगा। *जनता की सुरक्षा और हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहना हमारी प्राथमिकता- मंत्री श्री अग्रवाल *पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हाथी प्रभावित क्षेत्र में हुए नुकसान की जानकारी मिलते ही आज मैं स्वयं ग्रामीणों के बीच पहुंचा हूं। प्रभावित परिवारों की समस्याओं को समझना और उन्हें समय पर राहत दिलाना हमारी जिम्मेदारी है।

# अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 3 हाईवा, जेसीबी और लोडर सहित 5 वाहन एवं मशीनें जब्त

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

जांजगीर-चांपा जिले में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार बम्हनीडीह तहसील क्षेत्र में अवैध रेत गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 3 हाईवा, एक जेसीबी और एक लोडर सहित कुल 5 वाहन एवं मशीनें जब्त की गई हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त संदेश गया है। जिला प्रशासन द्वारा रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विभिन्न क्षेत्रों में लगातार निगरानी और जांच की जा रही है। इसी कड़ी में बम्हनीडीह तहसील क्षेत्र




में 10 अक्टूबर को की गई कार्रवाई के दौरान अवैध रेत परिवहन से संबंधित गतिविधियों में संलिप्त पाए गए वाहनों एवं मशीनों को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार श्री प्रशांत पटेल सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। दर्ज प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23(ख) तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के नियम 71 में उल्लेखित प्रावधानों के तहत नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्री महोबे ने जिले में रेत सहित अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए अधिकारियों को सतत निगरानी रखने तथा अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खनिज संसाधनों के अवैध दोहन को रोकने के लिए जांच एवं कार्रवाई का अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

## न्यूज इन शॉर्ट

### छत्तीसगढ़ शिक्षक भर्ती पर हाईकोर्ट की रोक, 11 और 25 अक्टूबर की परीक्षाएं अटकीं

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में सहायक शिक्षक और शिक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे हजारों अभ्यर्थियों को बड़ा झटका लगा है। बिलासपुर हाईकोर्ट ने दोनों पदों के लिए आयोजित होने वाली लिखित परीक्षाओं पर रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश कृष्ण राम महापात्र की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच ने आरक्षण व्यवस्था से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। भर्ती विज्ञापन में दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित आरक्षण प्रावधानों को चुनौती दिए जाने के बाद यह मामला अदालत पहुंचा है। राज्य सरकार ने सहायक शिक्षक और शिक्षक पदों पर नियुक्ति के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया था। इसके तहत विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की जानी थीं। आरक्षण व्यवस्था और रोस्टर को लेकर कुछ अभ्यर्थियों ने आपत्ति जताई। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा, जहां याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता रुंगटा ने पक्ष रखा। याचिका में मुख्य रूप से दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित आरक्षण व्यवस्था पर सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ताओं ने सामान्य प्रशासन विभाग और समाज कल्याण विभाग की ओर से जारी सर्कुलर का हवाला देते हुए कहा कि भर्ती विज्ञापन में दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षित पदों का प्रावधान किया गया है, लेकिन पूरी तरह दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों को इसका लाभ नहीं दिया गया है।याचिकाकर्ताओं का कहना है कि आरक्षण व्यवस्था लागू करने के तरीके में खामी होने के कारण पूरी तरह दृष्टिबाधित उम्मीदवार सहायक शिक्षक भर्ती में अवसर से वंचित हो रहे हैं।

### प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से ममता का घर हुआ रोशन, स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़े कदम

बलौदाबाजार। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा से जोड़ने के साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में नई राह दिखा रही है। इसी कड़ी में विकासखंड सिमगा के ग्राम चक्रवाय निवासी ममता बाई निषाद के घर पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल सिस्टम स्थापित किया गया है। बिहान की सोलर दीदियों की पहल से सौर ऊर्जा से जुड़ने का अवसर मिलने पर ममता बाई के परिवार को बिजली की जरूरतों को सौर ऊर्जा के माध्यम से पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण सुविधा मिली है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन में जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने और ग्रामीण परिवारों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।
इसी प्रयास के तहत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़ी सोलर दीदियां ग्रामीणों को योजना की जानकारी देने, पंजीयन कराने तथा सोलर पैनल स्थापना की प्रक्रिया में सहयोग कर रही हैं। ग्राम चक्रवाय में ममता बाई निषाद के घर स्थापित सोलर सिस्टम का कार्य शुभ संकुल संगठन, बनसांकरा, विकासखंड सिमगा के माध्यम से बिहान सोलर दीदियों द्वारा किया गया। इस पहल की विशेषता यह है कि बिहान की ग्रामीण महिलाएं केवल योजना का लाभ लेने तक सीमित नहीं हैं बल्कि सौर ऊर्जा जैसी आधुनिक तकनीक कोगांव-गांव तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इससे महिलाओं की तकनीकी दक्षता विकसित होने के साथ उनके लिए आजीविका के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। ममता बाई निषाद के घर स्थापित 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल सिस्टम स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने, ग्रामीण परिवारों को सशक्त बनाने और महिलाओं की भागीदारी से विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। बिहान दीदी ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद करते हुए प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के माध्यम से जिले में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयास को बहुत मददगार बताया है।

### मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया

# शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने का आरोप, युवक गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गुढ़ियारी थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी डिगेश्वर महेश्वर उर्फ राजा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पीड़िता का आरोप है कि युवक ने शादी करने का भरोसा दिलाकर करीब दो साल तक उससे संपर्क बनाए रखा और अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर शारीरिक संबंध बनाए। बाद में शादी की बात करने पर उसने इनकार कर दिया और गाली-गलौज की।

#### दो साल पहले हुई थी युवक से पहचान

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 8 अक्टूबर 2026 को एक महिला गुढ़ियारी थाने पहुंची और युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। महिला ने बताया कि वह अपने पति से अलग रह रही है और अपनी चार वर्षीय बेटी के साथ मायके में रहती है। करीब दो वर्ष पहले उसकी पहचान डिगेश्वर महेश्वर उर्फ राजा से हुई थी। पहचान होने के बाद युवक ने उससे संपर्क बनाए रखा और दोनों के बीच बातचीत होने लगी। शिकायत के अनुसार, इसी दौरान युवक ने महिला को शादी करने का भरोसा दिलाया।

#### कोटा रोड पर मिलने बुलाने का आरोप

महिला ने पुलिस को बताया कि 3 जुलाई 2024 को युवक ने उसे कोटा रोड स्थित मुक्तिधाम के सामने



मैदान में मिलने के लिए बुलाया था। शिकायत के मुताबिक, इस मुलाकात के दौरान युवक ने उससे शादी करने का भरोसा दिलाया। महिला का आरोप है कि इसके बाद युवक ने शादी का झांसा देकर अलग-अलग स्थानों पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। महिला ने बताया कि वह युवक के शादी करने के आश्वासन पर भरोसा करती रही। हालांकि, जब उसने युवक से शादी करने की बात कही, तो उसने इनकार कर दिया।

#### शादी की बात पर गाली-गलौज का आरोप

पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि शादी करने के लिए कहने पर युवक ने उसके साथ गाली-गलौज भी की। इसके बाद महिला ने गुढ़ियारी थाने पहुंचकर पूरी घटना की जानकारी दी और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। महिला की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 456/2026 दर्ज किया। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 और 296 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने शिकायत में लगाए गए आरोपों के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की।

#### आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

मामले की विवेचना के दौरान गुढ़ियारी थाना पुलिस ने आरोपी की पतासाजी की। इसके बाद युवक को पकड़कर घटना के संबंध में पूछताछ की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान डिगेश्वर महेश्वर उर्फ राजा, पिता हेमराज महेश्वर, उम्र 24 वर्ष के रूप में हुई है। आरोपी रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र अंतर्गत गोंदवारा में लव-कुश शोरूम के पास का निवासी है। पुलिस ने आरोपी को 9 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस के अनुसार, न्यायालय के आदेश पर आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

#### महिला संबंधी अपराधों पर कार्रवाई जारी

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के नॉर्थ जोन द्वारा महिला संबंधी अपराधों की शिकायतों पर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, ऐसे मामलों में शिकायत मिलने पर अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश, गिरफ्तारी और विवेचना की प्रक्रिया नियमानुसार की जाती है। इसी क्रम में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

# सड़क पार करते समय स्कूटी ने बुजुर्ग को मारी टक्कर, अस्पताल में नहीं बची जान

संवाददाता ➤ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शुक्रवार को तेज रफ्तार स्कूटी ने सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बुजुर्ग सिर के बल सड़क पर गिर गया। हादसे में घायल बुजुर्ग ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।
वहीं, घटना के बाद स्कूटी सवार दोनों लोग मौके से भाग गए। हादसे का घ्टज्ञड्ड फुटेज भी सामने आया है, जिसमें स्कूटी की टक्कर से बुजुर्ग दूर गिरते नजर आ रहे हैं। फिलहाल, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है।दरअसल, नूतन चौक स्थित अटल आवास में रहने वाला धांधू कुर्मी (65) शुक्रवार दोपहर करीब पौने 2 बजे ऑटो से नूतन चौक पहुंचा था। ऑटो से उतरने के बाद वह सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही स्कूटी ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बुजुर्ग घसीटते हुए सिर के बल सड़क पर गिर गया। हादसे में वह बुरी तरह घायल हो गया।हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। आसपास के लोगों ने घायल बुजुर्ग को तत्काल सिम्स पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसे में बुजुर्ग के सिर पर गंभीर चोट लगी थी। शनिवार सुबह उनके शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया।हादसे के बाद स्कूटी सवार युवक घायल बुजुर्ग को सड़क पर छोड़कर भाग निकले। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन स्कूटी की पहचान नहीं हो पाई है। टीआई प्रदीप आर्या ने बताया कि घ्टज्ञड्ड फुटेज के आधार पर स्कूटी और उस पर सवार युवकों की तलाश की जा रही है।हादसे का घ्टज्ञड्ड वीडियो सामने आया है। इसमें बुजुर्ग सड़क पार करते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान स्कूटी उन्हें टक्कर मार देती है। कैमरा घटनास्थल से दूर लगा होने के कारण फुटेज की गुणवत्ता कम है। स्क्रीन पर रिफ्लेक्शन के चलते स्कूटी का रजिस्ट्रेशन नंबर स्पष्ट नहीं दिख रहा है। फुटेज में दोनों स्कूटी सवार बुजुर्ग की मदद करने के बजाय मौके से भागते नजर आ रहे हैं।इस हादसे का लाइव सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। जिसमें बुजुर्ग सड़क पार करते दिखाई दे रहा है। इस दौरान स्कूटी उन्हें टक्कर मारती नजर आ रही है। कैमरा घटनास्थल से दूर लगा होने के कारण फुटेज की गुणवत्ता कम है।

# पिस्टल और एयरगन में उलझी पुलिस! राजनांदगांव में हथियार की पहचान पर उठे सवाल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर/राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में हाल ही में सामने आई कथित गोलीबारी की घटना को लेकर पुलिस अधिकारियों के अलग-अलग बयानों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले में जब्त किए गए हथियार की पहचान को लेकर कोतवाली थाना पुलिस और नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) के कथित बयानों में विरोधाभास सामने आया है। जहां कोतवाली पुलिस हथियार को पिस्टल बता रही है, वहीं सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने इसे एयरगन बताया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर घटना में इस्तेमाल किया गया हथियार पिस्टल था या एयरगन?
प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजनांदगांव में गोलीबारी से जुड़ी एक घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। इस दौरान एक हथियार जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई। हालांकि, हथियार की प्रकृति को लेकर पुलिस अधिकारियों के अलग-अलग कथित बयानों से स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि कोतवाली थाना पुलिस ने जब्त हथियार को पिस्टल बताया, जबकि क्षेत्र के सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने इसे एयरगन कहा। दोनों बयानों में अंतर होने के कारण पुलिस की जांच प्रक्रिया और अधिकारियों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को लेकर सवाल उठ रहे हैं।इस मामले में पीड़ित की ओर से पुलिस को शिकायत दिए जाने की बात भी सामने आई है। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों, घटना की परिस्थितियों और दर्ज प्रकरण की धाराओं के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है। पिस्टल और एयरगन की पहचान में अंतर महत्वपूर्ण माना जाता है। दोनों हथियारों की कार्यप्रणाली अलग होती है। सामान्य तौर पर पिस्टल में कारतूस के माध्यम से गोली चलाई जाती है, जबकि एयरगन में संपीड़ित हवा या गैस के दबाव से प्रोजेक्टाइल छोड़ा जाता है। हालांकि, किसी विशेष हथियार की वास्तविक श्रेणी उसकी तकनीकी बनावट और परीक्षण के आधार पर ही निर्धारित की जा सकती है।ऐसे मामलों में जब्त हथियार की तकनीकी जांच महत्वपूर्ण होती है। इससे यह स्पष्ट करने में मदद मिल सकती है कि हथियार किस प्रकार का है।

# कलेक्टर ने की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर




कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों, स्वीकृत प्रकरणों, सब्सिडी वितरण की प्रगति तथा स्थापित सोलर रूफटॉप सिस्टम की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. सिंह ने योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि आम नागरिकों को योजना का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए सभी संबंधित विभाग और बैंक समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने स्व-स्रोत से प्राप्त आवेदनों की संख्या बढ़ाने तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने योजना के प्रति आम नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित करने, शिविर आयोजित करने तथा ग्राम एवं वार्ड स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजना से संबंधित तकनीकी स्वीकृति, ऋण स्वीकृति और सब्सिडी की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके।

# गांजा केस में फंसाने की धमकी, एक आरोपी गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन ➤ राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में युवक को बीयर पिलाने के बहाने कार में बैठाकर सुनसान स्थान पर ले जाने और गांजा तस्करी के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर पांच लाख रुपये मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बदमाशों ने खुद को साइबर पुलिस का कर्मचारी बताकर युवक की कार में 20 किलो गांजा मिलने का दावा किया। इसके बाद मामला दर्ज करने की धमकी देकर उससे रुपये मांगे गए। शिकायत मिलने पर बसंतपुर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी नवीन साहू को गिरफ्तार किया है। वहीं, मुख्य आरोपी विक्की पवार सहित तीन आरोपी फरार हैं।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना की शुरुआत उस समय हुई जब विक्की पवार ने युवक को फोन कर बीयर लेकर भदौरिया चौक आने के लिए कहा। युवक के वहां पहुंचने पर विक्की अपने साथी नवीन साहू के साथ काले रंग की फॉर्च्यूनर कार में आया। इसके बाद दोनों ने युवक को कार में बैठा लिया। आरोपी युवक को अमोरा तालाब से श्मशान घाट के पास स्थित




एक सुनसान स्थान पर लेकर पहुंचे। वहां सभी लोग बैठकर बीयर पी रहे थे। इसी दौरान विक्की पवार कुछ समय के लिए वहां से चला गया। उसके जाने के बाद मोटरसाइकिल पर सवार दो अन्य युवक मौके पर पहुंचे।

# राष्ट्रपति से सम्मानित शिल्पकार हीरा बाई झरेखा का कलेक्टर ने पुष्प भेंटकर किया सम्मान

संवाददाता ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़

सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत बैगिनडीह में पारंपरिक हस्तशिल्प कला को प्रोत्साहन देने और स्थानीय शिल्पकारों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। ग्राम पंचायत में डीएमएफ मद से वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 8 लाख रुपए की लागत से जीर्णोद्धारित सामान्य सुविधा केंद्र भवन का जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय, कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू एवं जिला पंचायत सीईओ ऋषिकेश तिवारी ने फीता काटकर लोकार्पण किया।ग्राम बैगिनडीह अपनी पारंपरिक हस्तशिल्प कला झारा आर्ट के लिए विशेष पहचान रखता है। यहां के स्थानीय शिल्पकार अपनी कलात्मक प्रतिभा से विभिन्न प्रकार की आकर्षक हस्तनिर्मित वस्तुएं तैयार करते हैं। इन उत्पादों की शहरी क्षेत्रों में भी अच्छी मांग है। अब सामान्य सुविधा केंद्र के माध्यम से गांव के शिल्पकारों को एक ही स्थान पर अपनी कलाकृतियां तैयार करने के लिए बेहतर कार्यस्थल उपलब्ध होगा। इस केंद्र के शुरू होने से झारा आर्ट से जुड़े ग्रामीण कारीगरों को अपने उत्पादों के निर्माण में सुविधा मिलेगी। साथ ही पारंपरिक कला को बढ़ावा मिलने, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने और ग्रामीणों की आजीविका सुदृढ़ होने की उम्मीद है। यह पहल बैगिनडीह की हस्तशिल्प कला को नई पहचान दिलाने और शिल्पकारों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा।

### नई शुरुआत

### शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में किया गया

# अंबिकापुर में आयोजित हुई समान नागरिक संहिता पर विशाल बैठक

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संबंध में समाज के विभिन्न वर्गों के विचार एवं सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से सरगुजा संभाग के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण समूह चर्चा और बैठक का आयोजन गुरुवार को अम्बिकापुर स्थित शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में किया गया। इस बैठक में सरगुजा संभाग के पांचों जिलों से एक हजार से अधिक गणमान्य नागरिकों, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, सामाजिक व धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों, शिक्षाविदों तथा निगम, मंडल एवं आयोग के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। एम.के. राउत (यूसीसी समिति के सदस्य एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी), मोहन पवार (वरिष्ठ अधिवक्ता), डॉ. ज्योति रानी सिंह (सेवानिवृत्त प्राचार्या), श्याम लाल धावड़े (उच्च




स्तरीय समिति के सचिव एवं आयुक्त रायपुर संभाग), नरेंद्र कुमार दुग्गा (सरगुजा संभागायुक्त) उपस्थित रहे।द्यह्वश्र ऋद्भुस्र - ढ्ढह्लस्- विकल्प शुक्ला का दिल का दौरा पड़ने से निधन, आकाशवाणी रायपुर में उपनिदेशक के पद पर थे कार्यरत ज़्यादा जानें ॥द्वठ्ठस्रद्व स्डुद्वड्डुष्द्धड्डुद्ध श्वश्च ताजा खबर छत्तीसगढ़ समाचार इन प्रमुख मुद्दों पर खुलकर रखी गई राय बैठक के दौरान समिति के समक्ष विवाह और तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार एवं विरासत तथा लिव-इन रिलेशनशिप जैसे संवेदनशील व महत्वपूर्ण मुद्दों पर विभिन्न पक्षों ने खुलकर अपने सुझाव और विचार रखे। सत्र के दौरान उपस्थित समाज प्रतिनिधियों को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समान नागरिक संहिता की मूल अवधारणा, इसके विभिन्न पहलुओं और समिति द्वारा अपनाई जा रही प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।द्यह्वश्र ऋद्भुस्र - इंस्पायर अवार्ड योजना से बच्चों में नवाचार और वैज्ञानिक सोच को मिल रहा प्रोत्साहन-शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव व्यापक सामाजिक भागीदारी इस बैठक में सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाले पांचों जिलों-सरगुजा, बलरामपुर-रामानुजगंज, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर एवं कोरिया के विभिन्न समाजों और संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसमें पंडो समाज, उरांव समाज, सर्व आदिवासी समाज, गोंड समाज, केवट समाज, नगेशिया समाज, बिंझिया समाज, पनिका समाज, यादव समाज, ब्राह्मण समाज, स्वर्णकार समाज, रोमन कैथोलिक समाज, मझवार समाज, रजवार समाज, साहू समाज, चेरवा समाज, मुण्डा समाज, चिक समाज, मुस्लिम सुन्नी समाज, अंजुमन इस्लामिया कमिटी, सर्व पिछड़ा वर्ग समाज, रौनियार समाज और राजपूत समाज सहित विभिन्न संगठनों के लोगों ने लिखित एवं मौखिक रूप से अपने अभिमत प्रस्तुत किए।द्यह्वश्र ऋद्भुस्र - त्योहारी सीजन में स्पेशल ट्रेनें चलाने की मांग, सांसद संतोष पांडे ने की अपील सुझावों के आधार पर तैयार होगा ड्राफ्ट समान नागरिक संहिता समिति

## वेस्टइंडीज टीम ने मांगा एक्स्ट्रा नारियल पानी



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

इंदौर के होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले टी-20 मुकाबले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मैच से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों की डाइट, हाइड्रेशन और रिकवरी का खास ध्यान रखा जा रहा है। इसी बीच वेस्टइंडीज टीम ने इंदौर में नारियल पानी का एक्स्ट्रा स्टॉक रखने की विशेष मांग की है।वेस्टइंडीज टीम के मैनेजर ने मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से फोन पर एक्स्ट्रा नारियल पानी उपलब्ध रखने का आग्रह किया है। सीईओ रोहित पंडित के मुताबिक, खिलाड़ियों के लिए सामान्य तौर पर नारियल पानी की व्यवस्था रहती है, लेकिन इस बार वेस्टइंडीज टीम ने इसकी अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है।

### बारिश के बाद गर्मी बढ़ी, हाइड्रेशन पर फोकस

इंदौर में बारिश के बाद अब तापमान बढ़ने के साथ गर्मी और ड्राई हीट का असर दिखाई दे रहा है। ऐसे में मैदान पर लगातार दौड़ने, फील्डिंग और बल्लेबाजी-गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ियों के लिए हाइड्रेशन अहम है। टीम प्रबंधन चाहता है कि खिलाड़ियों को जरूरत के समय नारियल पानी आसानी से उपलब्ध हो।

### वेजेटेरियन मेन्यू पर भी ज्यादा जोर

दोनों टीमों के खिलाड़ियों की पसंद और जरूरत के अनुसार भोजन की व्यवस्था की जा रही है। डाइट में वेजेटेरियन विकल्प ज्यादा रखे गए हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस और मैच के बाद रिकवरी को ध्यान में रखते हुए खान-पान तैयार किया जाएगा।मैच और अभ्यास सत्र के बाद खिलाड़ियों की रिकवरी के लिए आइसबाथ टब की व्यवस्था भी की जा रही है।

## फरवरी में शादी हुई थी; पूजा के बाद बोले- व्यवस्थाओं से खुश हूं



पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन सोमवार को पत्नी सोफी शाइन के साथ तिरुमला मंदिर पहुंचे। दोनों ने भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।आंध्र प्रदेश के तिरुपति में धवन और सोफी पारंपरिक कपड़ों में मंदिर पहुंचे। धवन ने भक्तों से मुलाकात की और फैंस के साथ तस्वीरें भी खिंचाईं। धवन और सोफी ने 21 फरवरी 2026 को शादी की थी।दर्शन के बाद धवन ने मीडिया से कहा कि मंदिर प्रशासन ने बहुत अच्छी व्यवस्थाएं की थीं। उन्होंने भगवान तिरुपति के अच्छे दर्शन के लिए आभार जताया। धवन ने कुर्ता और धोती पहनी थी। सोफी सफेद सूट में नजर आईं।

## लाबुशेन का 11 महीने बाद शतक



ऑस्ट्रेलिया के नंबर-3 बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने करीब 11 महीने बाद शतक लगाकर फॉर्म में वापसी के संकेत दिए हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर है और उसे 9 अक्टूबर से पहला टेस्ट खेलना है।इससे पहले उन्होंने 76 गेंद पर शतक पूरा किया और 19 चौके लगाए। लंबे समय से बड़ी पारी का इंतजार था लाबुशेन ने करीब 11 महीने से किसी भी फॉर्मेट में शतक नहीं लगाया था। लाबुशेन ने आखिरी इंटरनेशनल टेस्ट शतक जुलाई 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में लगाया था। उन्होंने उस पारी में 111 रन बनाए थे।

## मुंबई के लिए 11 अक्टूबर से खेल सकते हैं, शार्दूल ठाकुर चोट के कारण शुरुआती मैचों से बाहर

# सूर्यकुमार यादव रणजी ट्रॉफी में लौटेंगे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पूर्व भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 2026-27 रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलने के लिए उपलब्ध हैं। वे मुंबई के पहले एलीट ग्रुप ष्ठ मैच में चंडीगढ़ के खिलाफ खेल सकते हैं।वहीं, पूर्व मुंबई कप्तान शार्दूल ठाकुर हाथ की चोट के कारण शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी गैरमौजूदगी में तुषार देशपांडे मुंबई के तेज गेंदबाजी अटैक की अगुआई करेंगे।

### पिछले साल खेला था आखिरी रणजी मैच

सूर्यकुमार ने फरवरी 2025 में नागपुर में विदर्भ के खिलाफ मुंबई के लिए आखिरी रणजी मैच खेला था। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, उन्होंने घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है।मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, सूर्या ने स्ष्ट अध्यक्ष अजिंक्य नाइक को आगामी रणजी ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है।सूर्यकुमार ने अब तक 86 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं। उनके नाम 5,758 रन हैं। उन्होंने 144 पारियों में 14 शतक और 30 अर्धशतक लगाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 42.33 है।



### वर्ल्डकप जीतने के बाद टीम से बाहर है सूर्या

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद सिलेक्शन कमेटी ने उन्हें कप्तानी से हटा दिया और श्रेयस अय्यर को नया कप्तान बनाया। यहां तक आयरलैंड, इंग्लैंड, जिम्मबाब्वे, अफगानिस्तान और जापान सीरीज की टीमों में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया।

## व्यापार

## फेस्टिव सीजन में कारों का धमाका




नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो अक्टूबर में कई लॉन्चेज होने वाले हैं. फेस्टिव सीजन को ध्यान में रखते हुए तमाम कंपनियों ने अपनी तैयारी कर ली हैं। टोयोटा, होंडा, हुंडई, स्कोडा और रेनो अपनी नई कारों को इस महीने मार्केट में उतारने वाले हैं। इस महीने हमें 5 मास मार्केट गाड़ियां देखने को मिलेंगी। इस लिस्ट में हैचबैक से लेकर एसयूवी और सेडान तक शामिल हैं। ऐसे में नई कार खरीदने वालों को थोड़ा इंतजार कर लेने से बेहतर विकल्प या बेहतर डील दोनों मिल सकती है।

# इंडिगो में कल से सफर महंगा, फ्यूल चार्ज बढ़ाया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

1300, इंटरनेशनल में देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की फ्लाइट्स मंगलवार से महंगी हो जाएंगी। एयरलाइन ने घरेलू उड़ानों में ?1300 तक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स में ?10,000 तक एक्स्ट्रा फ्यूल चार्ज लगाने का ऐलान किया है। नई कीमतें 6 अक्टूबर रात 12ः01 बजे से लागू होंगी।इंडिगो ने छह महीने में तीसरी बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया है। इससे पहले एयरलाइन ने इस साल 14 मार्च और फिर 1 अप्रैल को किराया बढ़ाया था। एयरलाइन के मुताबिक, यह फैसला एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी जेट फ्यूल महंगा होने से लिया गया है।कंपनी ने किराया बढ़ाने का फैसला हवाई जहाजों में इस्तेमाल होने वाला फ्यूल महंगा होने की वजह से लिया है। 1 अक्टूबर से घरेलू एयरलाइंस के लिए कीमत ?121 से बढ़कर अब ?137 हो गई है। यानी 1 लीटर ञ्जस्न की कीमत 16 रुपए (करीब 13.2त्न) बढ़ गई है।इंडिगो के अनुसार, पिछले एक ही महीने में जेट फ्यूल के दाम 14त्न से ज्यादा बढ़ चुके हैं। इसके चलते प्लेन में डलने वाला तेल अब पिछले 10 सालों में सबसे ज्यादा महंगा हो गया है।




एयरलाइंस के लिए सबसे बड़ा खर्च होता है जेट-फ्यूलजेट फ्यूल की कीमतें बढ़ने के चलते दुनियाभर की एयरलाइंस ने न सिर्फ टिकट के दाम बढ़ा दिए हैं, बल्कि अपने भविष्य के वित्तीय अनुमानों यानी फाइनेंशियल आउटलुक को भी वापस लिया है। एयरलाइंस के लिए जेट-फ्यूल सबसे बड़ा खर्च होता है। से 40त्न होती है।

## अब बिना कोर्ट-ऑर्डर अरेस्ट नहीं कर पाएंगे; GST कानून में सुधार की तैयारी

# टैक्स अधिकारियों से छिनेगा गिरफ्तारी का अधिकार

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल 7 अक्टूबर को होने वाली अपनी बैठक में देश के इनडायरेक्ट टैक्स सिस्टम में बड़े सुधारों को मंजूरी दे सकती है। नए प्रस्ताव के तहत टैक्स अधिकारियों से सीधे गिरफ्तार करने का अधिकार वापस लेने और फर्जीवाड़े के आपराधिक मामलों की सीमा बढ़ाने की तैयारी है।सितंबर 2025 में हुए रेट रेशनलाइजेशन यानी त्नस्ज्ञ दरों में बदलाव के बाद सरकार अब नेक्स्ट-जनरेशन जीएसटी के तहत टैक्स प्रशासन को आसान बनाने और कारोबारियों को राहत देने पर काम कर रही है।ताव लाया जा रहा है?

जवाबः नए प्रस्ताव के तहत सीजीएसटी एक्ट की धारा 69 में संशोधन की तैयारी है। अब तक कमिश्नर लेवल की मंजूरी मिलने पर जीएसटी अधिकारी किसी व्यक्ति को सीधे गिरफ्तार कर सकते थे।नए बदलाव के बाद




अधिकारियों से यह पावर वापस ले ली जाएगी। अब किसी भी गिरफ्तारी के लिए कोर्ट (न्यायिक मंजूरी) का आदेश अनिवार्य होगा।

सवालः क्रिमिनल प्रोसीडिंग्स की सीमा में क्या बदलाव होगा?

जवाबः वर्तमान में 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की टैक्स चोरी या फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम के मामलों में आपराधिक कार्रवाई और गिरफ्तारी की व्यवस्था है।

प्रस्ताव के अनुसार, क्रिमिनल केस चलाने की इस लिमिट को ?1 करोड़ से बढ़ाकर सीधे ?5 करोड़ करने की सिफारिश की गई है। यानी ?5 करोड़ से कम के मामलों में आपराधिक केस दर्ज नहीं होगा।

सवालः क्या रूटीन टैक्स विवादों में भी अब जेल जाना पड़ सकता है?

जवाबः नहीं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि क्लासिफिकेशन, वैल्यूएशन या इनपुट टैक्स क्रेडिट के रूटीन विवादों को क्रिमिनल प्रोसीडिंग्स के दायरे से बाहर रखा जाएगा।कई बार किसी एक ट्रांजैक्शन की परिभाषा को लेकर बिजनेस और टैक्स अधिकारियों की राय अलग-अलग हो सकती है, ऐसे मामलों को अब क्रिमिनल ऑफेंस नहीं माना जाएगा।सवालः जीएसटी अधिकारियों से अरेस्ट पावर वापस लेने की मुख्य वजह क्या है?

जवाबः जब 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू हुआ था, तब फेक इनवॉइस और टैक्स चोरी पकड़ने के लिए ऑटोमेटेड सिस्टम मजबूत नहीं था। इसलिए गिरफ्तारी का डर जरूरी था। अब जीएसटी का सिस्टम बहुत मजबूत हो चुका है।

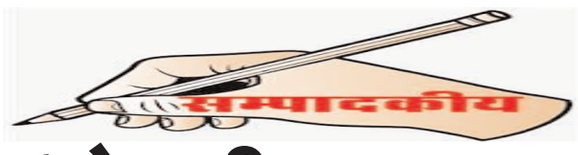
## अमेरिका-भारत ट्रेड डील की बातचीत में अब ज्यादा गुंजाइश नहीं



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर चल रही बातचीत ऐसी जगह पर आकर अटक गई है, जहां से आगे बढ़ना दोनों देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित म्यूनिख लीडर्स मीटिंग के दौरान यह बात कही। ।उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बात उस मोड़ पर पहुंच चुकी है जहां न तो भारत और छूट देने को तैयार है, और न ही अमेरिका। वित्त मंत्री ने कहा फिर भी अगर आगे बातचीत का कोई नया रास्ता निकलता है या गुंजाइश बनती है, तो दोनों देश उस पर बात करने के लिए तैयार हैं।

व्यापार समझौते में हर देश चाहता है कि उसके किसानों, कंपनियों और व्यापारियों का नुकसान न हो। एक हद के बाद कोई भी देश अपनी शर्तों से पीछे नहीं हटना चाहता। इसका मतलब यह नहीं है ।




# 'जेहादी' मानस का पायलट

*आसमान की ऊंचाइयों में जिस सह-पायलट ने अपने ही विमान के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार पर जानलेवा हमला किया था, वह 'जेहादी मानस', आतंकवादी सोच का इनसान था। शुरुआती जांच में यह खुलासा सामने आया है। वह 'अलकायदा' के सरगना रहे अयमान अल जवाहिरी से प्रभावित था। उसके 'लिंक्डइन' पोस्ट में उसके फोटो और कथन मिले हैं। हमलावर सह-पायलट के सोशल मीडिया खाते में आतंकी, जेहादी, कट्टरपंथी किस्म के विचार भी मिले हैं। उसके पास से 'फ्री फिलिस्तीन' जुमले वाले परचे भी मिले हैं। वह अलकायदा अथवा किसी अन्य आतंकी संगठन से जुड़ा था अथवा किसने उसे 'विमान क्रैश' करने को उकसाया था, लालच दिया था, यह अभी तक की जांच में साफ नहीं हुआ है, लेकिन हमलावर पायलट हम्माम अल हमामी ने खुद कबूल किया है कि वह इजरायल के तेल अवीव हवाई अड्डे पर विमान क्रैश करना चाहता था, ताकि यहूदी यात्रियों के साथ-साथ क्रैश की चपेट में आने वाले जमीनी लोग भी मारे जा सकें। नरसंहार की ऐसी सोच और मंसूबे से स्पष्ट है कि हमलावर पायलट हमामी 'आत्मघाती' था। क्रैश में उसकी मौत भी तय थी, लेकिन वह यहूदियों से इतनी पराकाष्ठा तक 'नफरत' करता था कि उन्हें मारने पर आमादा था। यह 9/11 सरीखा आतंकी हमला नहीं था। उसमें न्यूयॉर्क के 'विश्व व्यापार केंद्र' को निशाना बनाया गया था। वह अमरीकी पूंजीवाद, साम्राज्यवाद, अहंकार और ताकत का प्रतीक माना जाता था। अलकायदा का संस्थापक सरगना ओसामा बिन लादेन अमरीका के प्रतीक को जमींदोज कर शेष दुनिया को चौंका देना, डराना चाहता था। अलकायदा का आतंकवाद अपने मंसूबे और मकसद में कामयाब भी रहा, क्योंकि उस आतंकी हमले में 5232 लोग मारे गए थे। यह सरकार का अधिकृत आंकड़ा है। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में 174 यात्री सवार थे।*

**विचार**

# पर्यटन के जरिए ग्रामीण सशक्तिकरणः श्री विष्णु देव साय सरकार की अनूठी पहल

धनंजय राठौर

सयुक्त संचालक जनसंपर्क, रायपुर

छत्तीसगढ़ उत्तर से दक्षिण तक नैसर्गिक विरासत की अमूल्य धरा है, जहां नदियां, पहाड़, घने जंगल, जलप्रपात, समृद्ध आदिवासी संस्कृति और जनजातीय परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य दुनिया को छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और प्राकृतिक विविधता से परिचित कराना है। छत्तीसगढ़ का बस्तर, पर्यटन के नक्शे पर अपनी पहचान, संस्कृति और प्रकृति की अनुपम छटा वाले पर्यटन क्षेत्र के रूप में जाना जा रहा है। वास्तव में बस्तर का वन क्षेत्र बेहद निराला है। प्रकृति की हरियाली और स्वच्छता पर्यटकों को आकर्षित करता है। धीरे-धीरे बस्तर न केवल विकास की धारा से जुड़ रहा है बल्कि पर्यटन के हिसाब से भी तेजी से बदल रहा है। यहां का खूबसूरत इलाका अपनी अनोखी आदिवासी संस्कृति, घने जंगलों की छटा सबका ध्यान खींच रहा है। साथ ही, यहां के लोगों का भावपूर्ण और अतिथि सत्कार भी दुनिया भर के पर्यटकों को लुभा रहा है।

जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए 'छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति' तैयार छत्तीसगढ़ अब अपनी माटी की खुशबू, समृद्ध जनजातीय परंपराओं और गांवों के नैसर्गिक सौंदर्य के दम पर देश-दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर छाने को तैयार है। राज्य सरकार ने पर्यटन के विकास के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देने के लिए नई



औद्योगिक नीति (2024-2030) में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया है। साथ ही जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए 'छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति' तैयार की है। इसी कड़ी में अब ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार' की शुरुआत की गई है। इन तीनों निर्णयों से गांवों में रोजगार, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण का नया अध्याय शुरू होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार का यह त्रिआयामी मॉडल पर्यटन को स्थानीय लोगों के आर्थिक सशक्तिकरण की प्रक्रिया को और अधिक मजबूत करेगा। विश्व प्रसिद्ध बस्तर का दशहरा बारिश का मौसम बीतने के बाद से ही यहां हरे-भरे जंगल, पहाड़ और उनके उफनते पर्यटकों का मन मोह रहे हैं। इसलिए आज की तारीख में बस्तर भी देश के बेहतरीन पर्यटन स्थलों में एक साबित हो रहा है। हालांकि बस्तर का दशहरा बहुत पहले से प्रसिद्ध है, 75 दिनों तक चलने वाले बस्तर के दशहरा में कुछ खास होने वाला है, लेकिन हाल के दिनों में इस अवसर पर जुटने वाले सैलानियों की संख्या में खासा इजाफा दर्ज किया गया है। इस वर्ष भी यहां का दशहरा देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। नवरात्रि और दशहरा के अलावा यहां दीपावली पर भी दुनिया भर से भारी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। बस्तर के सहज जीवन से वैश्विक पहचान तक बस्तर के बालक 'चेन्दरू मंडावी' की बाघ 'टेंबू' के साथ दोस्ती ने कभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के सहज ग्रामीण जीवन का डंका बजाया था।उसी नाम से राज्य सरकार ने 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार' की शुरुआत की है। इसके लिए 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार नियम 2025' लागू किया गया हैजो पूरे छत्तीसगढ़ में प्रभावी होगा। इस पुरस्कार के तहत ग्रामीण पर्यटन, लोककला, हस्तशिल्प और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण में लगे जमीनी नायकों या संस्थाओं को 1 लाख रुपये की नकद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक की अध्यक्षता वाली 6 सदस्यीय ज्यूरी इसका चयन करेगी और विजेता को राज्योत्सव के मंच पर सम्मानित कर उन पर एक सचित्र स्मारिका जारी की जाएगी। बस्तर के टाइगर बॉय के नाम से मशहूर चेन्दरू मंडावी की स्मृति में ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार की शुरुआत छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार की शुरुआत की गई है। यह पुरस्कार बस्तर के टाइगर बॉय के नाम से मशहूर चेन्दरू मंडावी की स्मृति में शुरू किया गया है, जिन्होंने स्वीडिश फिल्म जंगल सागा से अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की थी। गांवों की संस्कृति, जनजातीय परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय जीवनशैली को पर्यटन से जोड़ना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना। 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार' उन लोगों और संस्थाओं को पहचान देने का प्रयास है, जो जमीनी स्तर पर पर्यटन के माध्यम से अपने गांव और क्षेत्र की तस्वीर बदल रहे हैं। होमस्टे से पर्यटक गांव की जीवनशैली जानेंगे पुरस्कार और प्रोत्साहन के साथ-साथ राज्य सरकार की होमस्टे नीति इस पूरे ढांचे को व्यावहारिक धरातल प्रदान कर रही है। अब पर्यटक महंगे होटलों की बजाय गांवों में पारंपरिक घरों का अनुभव कर सकेंगे।

**विचार**

# भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद क्यों गिर रहा है शेयर बाजार

- प्रहलाद सबनानी

लेखक

आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है।

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है।

हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है।दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटता अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल जब समस्त देश एक तरह से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, अमेरिका-ईरान युद्ध, सऊदी अरब-हूथी युद्ध एवं खाड़ी के देशों का आपसी युद्, आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जिनके चलते




भारतीय शेयर बाजार भी सहमा हुआ दिखाई दे रहा है, हालांकि भारत किसी भी प्रकार से, अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप से, इन युद्धों से नहीं जुड़ा है। तीसरे, विदेशी निवेशक भारी मात्रा में कुछ देशों के शेयर बाजार में अपनी पूंजी का निवेश करते हैं, क्योंकि उन्हें इन देशों में किए गए निवेश से अच्छे रिटर्न की सम्भावना दिखाई देती है। परंतु, जब इन विदेशी निवेशकों द्वारा अपना निवेश शेयर बाजार से निकाला जाता है तब उस देश का शेयर बाजार तेजी से गिरने लगता है।उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, अतः भारत के उक्त युद्धों से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े होने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा माहौल बनाए जाने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश भारी मात्रा में निकाल रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में बनाए रखने के प्रयास अभी तक तो सफल ही रहे हैं। फिर भी, केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अमेरिकी बांडस, अमेरिका के शेयर बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांडस की यील्ड पिछले लगभग 24-25 वर्षों के उच्चत्तम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आरटीफिशीयल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे है एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही अत्यधिक आकर्षक हो गया है।

**(एक नजर)**

# आज भी अनसुलझे हैं वैष्णो देवी के रहस्य

आपने माता वैष्णो देवी के मंदिर के दर्शन तो किए ही होंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि माता वैष्णो देवी की उत्पत्ति कैसे हुई और त्रिकुटा पर्वत पर स्थित उनके प्रसिद्ध मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा क्या है? आखिर माता वैष्णो देवी को तीन पिंडियों के रूप में क्यों पूजा जाता है और भैरवनाथ के दर्शन के बिना माता की यात्रा अधूरी क्यों मानी जाती है? आइए जानते हैं माता वैष्णो देवी से जुड़ी इस प्रसिद्ध पौराणिक कथा के बारे में।मान्यता है कि माता वैष्णो देवी महाकाली, महासरस्वती और महालक्ष्मी की सम्मिलित शक्ति का स्वरूप हैं। जम्मू-कश्मीर के कटरा स्थित माता वैष्णो देवी के भवन में एक पवित्र गुफा है, जहां तीन प्राकृतिक पिंडियों के रूप में देवी की पूजा की जाती है। इन तीन पिंडियों को महाकाली, महासरस्वती और महालक्ष्मी का स्वरूप माना जाता

**विचार**

# हैदराबाद की वित्तीय समस्याओं का समाधान और प्रॉपर्टी मालिकों के सवाल

धीरेंद्र राय,

लेखक

ड्राफ्ट वधेयक ने हैदराबाद के प्रॉपर्टी मालिकों के बीच एक जायज सवाल खड़ा कर दिया है- हमें अधिक भुगतान क्यों करना चाहिए? यह एक जायज सवाल है। प्रस्तावित कोर अर्बन रीजन (इंटीग्रेटेड गवर्नेंस) बिल, 2026 हैदराबाद में संपत्ति कर कैलकुलेट करने के आधार को बदल देगा - मौजूदा सिस्टम जो अनुमानित किराये के मूल्य पर आधारित है, उसे सरकार द्वारा मूल्यांकित पूंजीगत मूल्य से जोड़ा जाएगा। इससे कई प्रॉपर्टी मालिकों की टैक्स देनदारियां बढ़ सकती हैं।लेकिन एक और सवाल है जिस पर उतना ही ध्यान देने की जरूरत है- आखिरकार हैदराबाद को सबसे पहले अपने नगर निगम के राजस्व आधार को मजबूत करने की जरूरत क्यों है? इसका उत्तर सिर्फ प्रस्तावित कर वृद्धि में नहीं है, बल्कि इस बात में छिपा है कि हैदराबाद अपने बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर और सेवा संबंधी जरूरतों का वित्तपोषण किस प्रकार करता रहा है--और क्या यह मॉडल आगे भी जारी रह सकता है।पिछले छह वर्षों में हैदराबाद की वित्तीय स्थिति को देखें, तो सरकारी अनुदान नगर निगम के राजस्व का प्रमुख स्रोत नहीं रहा है। बजट आंकड़ों के अनुसार, 2018-19 और 2023-24 के बीच, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम




के कुल राजस्व में अनुदान की हिस्सेदारी सिर्फ 3-18 प्रतिशत थी। साल 2023-24 में, त्ाास्ट्र के कुल राजस्व 7,105 करोड़ रुपये के मुकाबले अनुदान लगभग 1,184 करोड़ रुपये था--जो लगभग 17 प्रतिशत है।जब राजस्व की तुलना व्यय से की जाती है, तो दबाव और अधिक स्पष्ट हो जाता है। साल 2019-20 और 2023-24 के बीच, त्ाास्ट्र के राजस्व में 61 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि हुई। लेकिन इसी अवधि के दौरान पूंजीगत व्यय में 234 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह वृद्धि मुख्य रूप से स्ट्रैटेजिक रोड डेवलपमेंट प्रोग्राम%, %स्ट्रैटेजिक नाला डेवलपमेंट प्रोग्राम% और %कॉम्प्रिहेंसिव रोड मेंटेनेंस प्रोग्राम के कारण हुई, जिनकी कुल लागत लगभग 10,249 करोड़ रुपये थी और इसमें से 6,390 करोड़ रुपये का वित्तपोषण ऋण के जरिये किया गया था।

ऋण लेने से इस कमी को पूरा करने में मदद तो मिली, लेकिन इससे कर्ज चुकाने का बोझ भी बढ़ता गया। साल 2023-24 में त्ाास्ट्र पर कुल बकाया कर्ज लगभग 6,749 रुपये करोड़ था, जबकि कर्ज की किस्त और ब्याज का भुगतान पहले ही 100 करोड़ रुपये प्रति माह से अधिक हो चुका था। इस साल मार्च तक, त्ाास्ट्र के अधिकारियों ने लंबित बकाए को चुकाने या अपने इंफ्रास्ट्रक्चर लोन के भुगतान की जिम्मेदारी संभालने के लिए राज्य सरकार से सहायता मांगी थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर इस भुगतान में देरी जारी रही, तो निगम की विकास कार्यों के लिए धन जुटाने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसके बाद से, राज्य सरकार ने इन देनदारियों को अपने हाथ में लेने का कदम उठाया है।

इससे थोड़ी राहत जरूर मिलती है। लेकिन कर्ज से राहत सिर्फ बैलेंस शीट को सुधार सकती है; यह हैदराबाद के विकास के अगले चरण के लिए जरूरी नियमित कमाई पैदा नहीं कर सकती।

हैदराबाद के सामने एक स्पष्ट विकल्प है-या तो वह राज्य सरकार से मिलने वाली अनिरंतर आर्थिक मदद पर निर्भर रहे, या फिर खुद का एक ऐसा राजस्व आधार तैयार करे जो शहर की बढ़ती जरूरतों के साथ तालमेल बिठा सके। अनुदान अपने चरम स्तर पर भी त्ाास्ट्र के कुल बजट के पांचवें हिस्से से अधिक कभी नहीं रहे हैं। यही बात नगर निगम के अपने स्रोतों से होने वाली आय को महत्वपूर्ण बनाती है--

जिसमें नई संपत्तियों को टैक्स के दायरे में लाना, कवरेज बढ़ाने के लिए तकनीक का उपयोग करना और संपत्ति-कर के रिकॉर्ड को अन्य सरकारी डेटाबेस के साथ जोड़ना शामिल है।यह उपाय महत्वपूर्ण हैं, लेकिन ये उस गहरी समस्या का समाधान नहीं कर सकते कि टैक्स का आधार खुद ही स्थिर बना हुआ है। हैदराबाद के संपत्ति मूल्यों और अर्थव्यवस्था में भारी वृद्धि होने के बावजूद, आवासीय संपत्तियों के प्रॉपर्टी-टैक्स किराया मूल्यों को आखिरी बार 2003 में संशोधित किया गया था, जबकि व्यावसायिक संपत्तियों के लिए संबंधित मूल्यों को 2008 में संशोधित किया गया था।

ूजो 10 प्रमुख 10-लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में नौवें स्थान पर है। यह पुणे (6,345 रुपये), कोयंबटूर (5,919 रुपये) और मुंबई (5,381 रुपये) में प्रति व्यक्ति मांग के आधे से भी कम था।यही वह जगह है जहां प्रॉपर्टी टैक्स मूल्यांकन के आधार को बदलना महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रॉपर्टी टैक्सेशन को पंजीकरण विभाग द्वारा बनाए रखे जाने वाले गाइडेंस वैल्यू% से जोड़कर - जिनमें समय-समय पर संशोधन किया जाता है - यह प्रणाली मौजूदा अनुमानित किराया मूल्यों पर आधारित प्रणाली की तुलना में अधिक गतिशील टैक्स बेस प्रदान करती है। यह स्वह्य (शहरी स्थानीय निकायों) के लिए प्रॉपर्टी के मूल्य निर्धारित करने के लिए समय-समय पर बाजार-किराया सर्वेक्षण करने की जरूरत भी खत्म करती है।




# समुद्री सीमाओं की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता कोस्ट गार्ड

**भौगोलिक दृष्टि से भारत तीन ओर से समुद्र से घिरा हुआ है। इस समुद्री सीमा की रक्षा के लिए भारतीय जल सेना के अंतर्गत 1 फरवरी 1977 को कोस्ट गार्ड की स्थापना हुई। समुद्री सीमाओं की रक्षा में कोस्ट गार्ड की भूमिका उसी प्रकार से होती है जिस प्रकार थल सेना में सीमा सुरक्षा बल की।**

ये गार्ड देश में समुद्री मार्ग से होने वाली तस्करी, विदेशी जहाजों को भारतीय समुद्री सीमा में अनाधिकृत तरीके से प्रवेश को रोकने संबंधी दायित्व निभाते हैं। वर्तमान समय में कोस्ट गार्ड में 5000 भारतीय विभिन्न पदों पर तैनात हैं। नौसेना की इस इकाई में 42 जहाज, 13 एयरक्राफ्ट और 9 हैलीकाप्टर हैं। इसकी प्रशासनिक व्यवस्था को संचालित करने के लिए तीन क्षेत्रीय मुख्यालय मुम्बई, चेन्नई और पोर्ट ब्लेयर के अलावा दस अन्य स्टेशन हैं जिसे कोस्ट गार्ड का जिला मुख्यालय कहा जाता है।

तीन ओर से भारत की समुद्री सीमा की निगरानी करने वाले इस विभाग के कई विभागों में कार्य करने के लिए समय-समय पर योग्य उम्मीदवारों के आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक युवा इस क्षेत्र में अपना करियर तलाश सकते हैं। इसके लिए योग्यता और अन्य विवरण निम्न प्रकार से हैं

## सहायक कमांडेंट (सामान्य ड्यूटी)

ये समुद्र में जहाज के चालक दल का नेतृत्व व जहाज के संचालन का दायित्व संभालते हैं। इस पद के लिए आवेदन के इच्छुक उम्मीदवारों को स्नातक की डिग्री अनिवार्य होती है। इसके अलावा वह बारहवीं स्तर पर गणित और भौतिक विषय पढ़ा हुआ होना चाहिए। इस पद के लिए उम्मीदवार की आयु सीमा 21 से 25 वर्ष के बीच हो। अनुसूचित जाति, जनजाति के उम्मीदवारों को ऊपरी आयु सीमा में 5 वर्ष तक की छूट मिलती है जो अन्य पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 3 वर्ष है।

## सहायक कमांडेंट (तकनीकी शाखा)

इस विभाग में जल सीमा की निगरानी के लिए समुद्र तटों पर बने कोस्ट गार्ड बेस और निगरानी पोतों से जो लड़ाकू विमान और हैलीकाप्टर उड़ान भरते हैं उसके संचालन और रख-रखाव के लिए इस शाखा में इंजीनियरों की पूरी एक टीम तैनात होती है। इस विभाग में आवेदन के इच्छुक उम्मीदवार से मैकेनिकल, इलैक्ट्रिकल, नेवल, आर्कीटैक्चर, मरीन, टैलीकम्युनिकेशन, इलैक्ट्रॉनिक्स, डिजाइन, प्रोडक्शन या एरोनॉटिकल में से किसी एक में इंजीनियरिंग डिग्री की मांग की जाती है। इस शाखा में उम्मीदवार की आयु 21 से 30 साल के बीच होनी चाहिए। अनुसूचित जाति, जनजाति के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा में 5 वर्ष तथा पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 3 वर्ष की छूट है।

## सहायक कमांडेंट (पायलट, नेविगेशन)

इस शाखा में नियुक्त होने वाले अधिकारियों के पास जल सीमा की निगरानी के लिए एयरक्राफ्ट और हैलीकाप्टर उड़ाने की जिम्मेदारी होती है। कोस्ट गार्ड में पायलट बनने के इच्छुक उम्मीदवारों को गणित और भौतिक विषय के साथ स्नातक होना जरूरी होता है। इस विभाग में पायलट लाइसैंसधारी उम्मीदवारों की सीधी भर्ती होती है। आवेदन करने वाले उम्मीदवार की आयु 19 से 27 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इस विभाग में भी आरक्षित कोटे के उम्मीदवारों को ऊपरी आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट मिलती है, उक्त सभी श्रेणियों के लिए उम्मीदवारों की ऊंचाई 157 सैंटीमीटर से कम और 197 सैंटीमीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए।

## नाविक

सैन्य सेनाओं के जवानों की तरह कोस्ट गार्ड में जवान को नाविक कहते हैं। नाविक (सामान्य ड्यूटी) के आवेदन के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता दसवीं निर्धारित है। नाविक (यांत्रिक) पद के उम्मीदवारों को दसवीं कक्षा के साथ मैकेनिकल, इलैक्ट्रिकल, इलैक्ट्रॉनिक्स या एरोनॉटिकल ट्रेंड में डिप्लोमा होना चाहिए। आवेदकों को शार्ट लिस्ट करने के बाद ही उन्हें परीक्षा में शामिल होने के लिए बुलाया जाता है।

पहले चरण की परीक्षा दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई तथा पोर्ट ब्लेयर में आयोजित होती है। इस परीक्षा में उम्मीदवार के सामान्य ज्ञान और बौद्धिक योग्यता की जांच होती है। इसमें सफल उम्मीदवारों को ही दूसरे चरण की परीक्षा के लिए दिल्ली बुलाया जाता है। दूसरे चरण में लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार होता है। इसमें सफल उम्मीदवारों का डाक्टरी परीक्षण होने के बाद मैरिट लिस्ट के आधार पर अंतिम रूप से चयन होता है। कोस्ट गार्ड में नाविक सामान्य ड्यूटी और नाविक यांत्रिक के लिए साल में दो बार प्रमुख समाचारपत्रों व रोजगार समाचारपत्र में विज्ञापन प्रकाशित होता है। इसके लिए भी लिखित परीक्षा, शारीरिक जांच व डाक्टरी परीक्षण के आधार पर अंतिम रूप से चयन किया जाता है।

## महिलाओं के लिए अवसर

कोस्ट गार्ड में पिछले कुछ सालों में महिला अधिकारियों की भर्ती की भी शुरूआत हुई है। समुद्र की लहरों पर निगरानी में अपना रोमांचकारी करियर बनाने की इच्छुक किसी भी विषय से स्नातक महिला आवेदन की पात्र है। महिलाएं कोस्ट गार्ड की सामान्य शाखा, पायलट व लॉ ब्रांच के लिए ही आवेदन कर सकती हैं। सामान्य ड्यूटी विभाग में आवेदन करने के लिए उनका कद 148 सैंटीमीटर तथा पायलट के लिए 162 सैंटीमीटर होना चाहिए।

## प्रशिक्षण

अधिकारी स्तर के चयनित उम्मीदवारों को नौसेना के साथ गोवा में पांच माह का बेसिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के बाद उम्मीदवारों को कैडर के अनुसार अलग-अलग स्थानों पर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। महिला अधिकारियों को प्रशिक्षण मुम्बई में ही दिया जाता है।नाविक सामान्य ड्यूटी और यांत्रिकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था समुद्री जहाजों पर ही होती है।

# डर्मेटोलॉजी निखरने की चाह में उभरता कॅरियर



डिसिन में स्पेशलाइजेशन के लिए उपलब्ध विकल्पों में 'डर्मेटोलॉजी' काफी लोकप्रिय हो गया है। मौजूदा वक्त में 'फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन' कहावत को इतनी गंभीरता से लिया जा रहा है कि व्यक्ति के रूप को व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण अंग माना जाने लगा है। इस कारण लोगों में अपने रूप और व्यक्तित्व को लेकर चिंता का स्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। यहां तक कि कॉलेज जाने वाले छात्र भी खुद को आकर्षक दिखाने की गरज से काफी रुपये खर्च कर रहे हैं। अपने रूप को लेकर लोगों में गंभीरता का स्तर इस कदर बढ़ गया है कि वह चेहरे पर छोटा-सा मुंहासा हो जाने भर से परेशान हो उठते हैं। कई बार वह ऐसी परेशानियों को इस कदर अपने ऊपर हावी कर लेते हैं कि घर से बाहर निकलना भी छोड़ देते हैं। ऐसे माहौल में रूप निखारने का दावा करने वाली फेयरनेस क्रीमों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। खुजली और घमौरियों (रैशेज) जैसे त्वचा संबंधी रोग आम हो चुके हैं। गर्मी और बरसात के मौसम में इनकी अधिकता काफी बढ़ जाती है। इनके सही उपचार के लिए डॉक्टर का परामर्श जरूरी होता है। कई बार उपचार के लिए डॉक्टर के पास कुछ दिनों या हफ्तों के अंतराल पर बार-बार जाने की जरूरत होती है। ऐसे में लोग अपनी त्वचा के लिए ज्यादा खर्च करने में जरा भी नहीं हिचकते।

त्वचा और रूप के प्रति लोगों के बढ़ती सजगता के कारण डर्मेटोलॉजिस्ट की मांग में इजाफा हो रहा है। डर्मेटोलॉजी मेडिसिन की एक शाखा है, जिसमें त्वचा और उससे संबंधित रोगों के निदान का अध्ययन किया जाता है। यह एक स्पेशलाइज्ड विषय है, जिसकी पढ़ाई एमबीबीएस के बाद होती है। डर्मेटोलॉजिस्ट रोगों के उपचार के अलावा त्वचा, बाल और नाखूनों से संबंधित कॉस्मेटिक समस्याओं का भी निदान करते हैं।

## डर्मेटोलॉजिस्ट का काम

इनका मुख्य कार्य लोगों की उन बीमारियों का उपचार करना होता है, जो त्वचा, बाल, नाखूनों और मुंह पर दुष्प्रभाव डालती हैं। एलर्जी से प्रभावित त्वचा, त्वचा संबंधी दागों, सूर्य की रोशनी में झुलसे या अन्य तरह के विकारों से ग्रसित त्वचा को पूर्व अवस्था में लाने में ये रोगियों की मदद करते हैं। इसके लिए वह दवाओं या सर्जरी का इस्तेमाल करते हैं। त्वचा कैंसर और उसी तरह की बीमारियों से जूझ रहे रोगियों के उपचार में भी वह सहयोग करते हैं। क्लिनिक या अस्पताल में वह सबसे पहले मरीजों के रोग प्रभावित अंग का निरीक्षण करते हैं। जरूरी होने पर वह रोग की गंभीरता जांचने के लिए संबंधित अंग से रक्त, त्वचा या टिश्यू का नमूना भी लेते हैं। इन नमूनों के रासायनिक और जैविक परीक्षणों से वह पता लगाते हैं कि रोग की वजह क्या है। रोग का पता लगने के बाद उपचार शुरू कर देते हैं। इस कार्य में वह दवाओं, सर्जरी, सुपरफिशियल रेडियोथेरेपी या अन्य उपलब्ध उपचार विधियों का उपयोग करते हैं।

## करते हैं कॉस्मेटिक सर्जरी

चेहरे और अन्य अंगों को आकर्षक बनाने के लिए डर्मेटोलॉजिस्ट कॉस्टमेटिक सर्जरी भी करते हैं। त्वचा की झुर्रियों और दाग-धब्बों को खत्म करने के लिए वह डर्माब्रेशन जैसी तकनीक और बोटोक्स इंजेक्शन का इस्तेमाल करते हैं। इन तकनीकों के अलावा वह लेजर थेरेपी का भी उपचार में उपयोग करते हैं। इस तकनीक की मदद से वह झुर्रियों और त्वचा पर होने वाले सफेद दाग का ईलाज करते हैं।

**योग्यता** - फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ बारहवीं पास करके एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करना डर्मेटोलॉजिस्ट बनने की पहली शर्त है। इसके बाद डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी और लेप्रोलॉजी में तीन वर्षीय एमडी या दो वर्षीय डिप्लोमा की पढ़ाई की जा

# स्वयं को तरक्की की राह पर परखें



महाभारत का युद्ध कहीं बाहर नहीं, हमारे मन में ही चलता है। मन में अच्छे और बुरे विचारों की लड़ाई ही महाभारत है। यहां हमारा मन अर्जुन है और विवेक रूपी चेतना कृष्ण। युद्ध के दौरान जब अर्जुन अपने सभी सगे-संबंधियों, गुरुओं आदि को सामने देखते हैं तो उनके मन में मोह पैदा हो जाता है। उन्हें लगता है कि ये सब तो मेरे अपने हैं, मैं इनको कैसे मार सकता हूं। इससे तो अच्छा है कि मैं युद्ध ही न करूं। ऐसी बातें सोच कर दुखी अर्जुन भगवान कृष्ण की शरण में बैठ गए। तब भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। कहा, 'हे अर्जुन, जड़ मत बनो। यह तुम्हारे चरित्र के अनुरूप नहीं है। हृदय की तुच्छ दुर्बलता को त्यागकर युद्ध के लिए खड़े हो जाओ।'

कई बार व्यक्ति को किसी काम को करने से उसका दुर्बल मन डराता है। इस वजह से वह आगे नहीं बढ़ पाता मगर याद रखना चाहिए कि जीवन में तरक्की दुर्बलता से नहीं बल्कि मजबूत इरादों से मिलती है। दिनचर्या के हर काम को युद्ध की तरह समझना चाहिए और उसको उत्साह के साथ पूरा करना चाहिए। मन को कभी कमजोर नहीं पडने देना चाहिए। मन डराएगा लेकिन हमें डरना नहीं है। जीवन आगे बढने के लिए है, डर कर या निराश होकर बैठ जाने के लिए नहीं।

# सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग में उज्ज्वल भविष्य

**लोगों में प्रतिभा तो होती है परंतु उसे समझने और निखारने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण मुहैया कराने के लिए कई संस्थानों में संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं.**




कर्मचारियों को भर्ती के उपरांत प्रशिक्षण प्रदान करते हैं लेकिन वे उन व्यक्तियों को वरीयता देते हैं जो पहले से अपने क्षेत्र में बेहतर होते हैं. चूंकि ज्यादातर लोग प्रतिभाओं के साथ जन्म लेते हैं, परंतु उन्हें परिष्कृत और शिक्षित करने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बाजार में बहुत से संस्थान संचालित किए जा रहे हैं. ये संस्थान काफी धन अर्जन कर रहे हैं और इस तरह सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों को आकर्षक रोजगार का विकल्प प्रदान कर रहे हैं.

**वेतन** - इस सेक्टर में काफी अच्छा वेतन है. चूंकि यह कल्चर प्राइवेट कंपनियों और वैश्वीकरण के कारण तेजी फला-फूला है, इसलिए इसकी ग्रोथ भी ज्यादा है.

**योग्यताएं** - पहले इस फील्ड में पाठ्यक्रम नहीं चलाए जाते थे लेकिन अब सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों के लिए शिक्षण कार्य भी एक अच्छे विकल्प के रूप में उभरकर सामने आया है क्योंकि सभी इंजीनियरिंग और प्रबंध संस्थानों में तकनीकी कौशल एक अनिवार्य विषय के रूप में शामिल होता है. वहां पर छात्रों को साक्षात्कार और समूह चर्चा में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपेक्षित अन्य वैयक्तिक कौशलों के साथ-साथ प्लेसमेंट और सम्प्रेषण कौशलों के लिए प्रशिक्षित और तैयार किया जाता है. इस फील्ड में पहले पाठ्यक्रम नहीं थे लेकिन अब सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों के लिए शिक्षण कार्य भी बेहतर विकल्प के रूप में सामने आया है.

सॉफ्ट स्किल की क्षमता आपके करियर को नई दिशा देती है. अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग तकनीकी रूप से बड़े प्रतिभावान होते हैं. साथ ही, वे अपने क्षेत्र में निपुण भी होते हैं किंतु एक निश्चित बिंदु पर उनके करियर में ठहराव-सा आ जाता है. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता, समूह में काम करना, सामाजिक सम्प्रेषण और संबंध निर्माण आदि कौशल का अभाव होता है.

सॉफ्ट स्किल व्यापक क्षेत्र है, जिसमें सम्प्रेषण कौशल, श्रवण कौशल, टीम कौशल, नेतृत्व के गुण, सृजनात्मकता और तर्कसंगत, समस्या निवारण, कौशल और परिवर्तनशीलता आदि सम्मिलित हैं. सॉफ्ट स्किल के गुण किताबों से नहीं सीखे जाते, बल्कि इसके लिए प्रशिक्षण कारगर होते हैं.

यदि आप सही अर्थों में अपने व्यक्तित्व में सॉफ्ट स्किल्स जोड़ना चाहते हैं तो आपको एक अच्छा, मेहनती और सीखने वाला बनकर उन सब बातों को, जो कुछ भी आपने व्यावहारिक रूप से ग्रहण किया है, व्यवहार में लाना होगा. कुछ ऐसे सॉफ्ट स्किल्स भी हैं जो आपकी रोजगार की संभावनाओं और व्यक्तित्व में सुधार कर स्थायी और अच्छी सैलरी पर नौकरी प्राप्त करने में सहयोग करता है.

## प्रभावी सम्प्रेषण

कौशल प्रभावी सम्प्रेषण कौशल में सार्वजनिक भाषणों, प्रस्तुतीकरण, बातचीत, संघर्ष समाधान ज्ञानिवतरण आदि के लिए मौखिक कौशल, अनुदेश मैनुअल तैयार करना, ज्ञापन, सूचनाएं लिखना, कार्यालयीन पत्र व्यवहार आदि के लिए लेखन कौशल शामिल हैं. इनमें मौखिक और गैर-मौखिक, दोनों ही शामिल है. चूंकि हमारा सम्प्रेषण का आधिकारिक माध्यम अंग्रेजी है, इसलिए इसमें कुछ हद तक अंग्रेजी में दक्षता होनी जरूरी है.

## सामूहिक कार्य

कौशल अंतर्वैयक्तिक और सामूहिक कार्य कौशल उच्चतर उत्पादकता तथा बेहतर वातावरण के लिए योगदान करते हैं क्योंकि इनसे व्यक्ति संयुक्त लक्ष्य हासिल करने हेतु मिलकर कार्य करते हैं. यह सम्प्रेषण टीम सदस्यों के बीच एक गतिशील पारस्परिक क्रिया की स्थापना, फीडबैक का आमंत्रण, उसे प्रदान करना तथा संघर्ष की स्थिति को हल करना अपेक्षित होता है.

## ज्ञानात्मक कौशल

अपने रोजमर्रा के जीवन में अक्सर आपको ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है जब आप सही फैसले करने में असमर्थ होते हैं. आपके सामने ऐसी स्थितियां उत्पन्न होने की ज्यादा संभावनाएं उस वक्त होती हैं जब आप किसी संगठन में कार्य करते हैं. ऐसी दबावपूर्ण स्थितियों का मुकाबला करने के लिए आपको कुछेक ऐसे कौशल विकसित करने की आवश्यकता है जो आपको निर्णय लेने, सृजनात्मक एवं अन्वेषणात्मक समाधान विकसित करने, व्यावहारिक हल ढूंढने, समस्याओं का स्वतंत्र रूप से पता लगाने, उनको हल करने और विभिन्न क्षेत्रों में समस्याओं के निदान में कार्य नीतियां लागू करने में मददगार हो सकते हैं.

## नौकरियां

आजकल ज्यादातर संगठन अपने कर्मचारियों में उनके सकारात्मक, सम्प्रेषण, अंतर्वैयक्तिक और टीम कौशल, समस्या निदान, अनुकूलनशीलता और कार्य पद्धति में सुधार हेतु प्रशिक्षण प्रदान करते हैं. इससे एक तरफ जहां उनके व्यवसाय और व्यक्तिगत जीवन पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दूसरी तरफ सं गठन की उत्पादकता में भी वृद्धि होती है. अतः सॉफ्ट स्किल में पाठ्यक्रम पूरा करने के उपरांत कोई व्यक्ति किसी निजी या सार्वजनिक संगठन में सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकता है. इसके अलावा, आप अपना स्वयं का ट्रेनिंग सेंटर भी खोल सकते हैं.

## व्यक्तित्व संबंधी गुण

समय के साथ-साथ अब फोकस एक सामान्य व्यक्ति से सुशिक्षित और परिष्कृत व्यक्तित्व की ओर हो गया है. विभिन्न संगठनों, खासकर कंपनियों को ऐसे व्यक्तियों की तलाश रहती है जो कुशाग्र और सुशिक्षित होते हैं. उनमें ऐसे सम्प्रेषण कौशल होने चाहिए कि वे सबसे आगे रहें. इसके लिए वे अपने



## न्यूज इन शॉर्ट

### अवैध शराब बिक्री की सूचना पर पहुंची पुलिस से भिड़े युवक और महिलाएं

डोंगरगढ़। शहर में अवैध शराब की बिक्री की सूचना पर कार्रवाई करने पहुंची पुलिस टीम के साथ विवाद और मारपीट का मामला सामने आया है। शुक्रवार रात मोचीपारा के रविदास नगर में हुई इस घटना में कुछ युवक और महिलाएं शामिल बताए जा रहे हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में है। पुलिस ने स्वद्धक्रदर्ज कर ली है और घटना में शामिल लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है।जानकारी के मुताबिक, डोंगरगढ़ थाना पुलिस को शुक्रवार रात मोचीपारा स्थित रविदास नगर में अवैध शराब की बिक्री की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची थी। यहां अवैध शराब को लेकर कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों के साथ पुलिस जवानों का विवाद हो गया।बताया जा रहा है कि विवाद बढ़ने के बाद मौके पर मौजूद कुछ युवक और महिलाएं पुलिसकर्मियों से उलझ गए। इस दौरान झूमाझटकी और मारपीट किए जाने का आरोप है। घटना के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वद्धक्रदर्ज की है।घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक युवक अपने कपड़े उतारते हुए दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने उसे अवैध शराब के साथ पकड़ा था। वीडियो में कुछ महिलाएं भी पुलिस जवानों से बहस करती और उनके साथ अभद्र व्यवहार करती नजर आ रही हैं।हालांकि, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो से घटना का पूरा घटनाक्रम स्पष्ट नहीं होता। विवाद किस बात पर शुरू हुआ और मौके पर मौजूद लोगों के बीच क्या-क्या हुआ, इसकी विस्तृत जानकारी पुलिस जांच के बाद ही सामने आ सकेगी।मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम के साथ हुए विवाद और मारपीट की घटना में युवक और महिलाएं दोनों शामिल थे। पुलिस के साथ हुई इस झूमाझटकी के बाद मामला थाने तक पहुंचा। पुलिस ने स्वद्धक्रदर्ज कर घटना में शामिल लोगों की पहचान शुरू कर दी है। डोंगरगढ़ स्ष्टह्लक्केसरीनंदन नायक ने बताया कि घटना में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।
घटना का वीडियो वायरल होने के बाद इलाके में इसकी चर्चा हो रही है। अब पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई पर नजर है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि घटना के दौरान किन लोगों की क्या भूमिका थी और अवैध शराब से जुड़ी कार्रवाई के दौरान विवाद किस तरह बढ़ा।

### छात्रावास से अचानक गायब हुईं 3 छात्राएं, भूत के डर से भागने का दावा

**कोंडागांव।** छत्तीसगढ़ में इन दिनों कई लोगों की गायब होने की खबर ने सनसनी फैला दी है, एकलौते राजधानी रायपुर से करीब 200 लोग लापता है, इसमें महिला, पुरुष और युवक भी शामिल है, लेकिन इसी बीच कोंडागांव से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है, यहां एकलव्य विद्यालय के छात्रावास से 3 छात्राएं अचानक गायब हो गई, छात्रों की गायब होने की खबर से छात्रावास में हड़कंप मच गया है।मिली जानकारी के अनुसार, गोलावंड छात्रावास के तीन छात्राएं बीती रात से लापता है, छात्रावास वार्डन की सूचना पर सरपंच, परिजन समेत सहायक आयुक्त छात्रावास पहुंचे। इसके साथ ही पुलिस थाने में भी सूचना दे दी गई है।सहायक आयुक्त ने दावा करते हुए कहा कि, तीनों छात्राएं भूत के डर से हॉस्टल से भाग निकले है, वहीं छात्राओं के परिजनों ने छात्रावास के अव्यवस्थाओं पर सवाल उठाया है, उनका कहना है कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किया गया है।बता दें कि रायपुर में पिछले शनिवार से रविवार के बीच 24 घंटे में गुमशुदगी की 159 स्वद्धक्र दर्ज की गई हैं। दर्ज मामलों में सबसे अधिक संख्या महिलाओं की है। कुल 78 महिलाएं लापता हैं, जिनमें गृहणियां, नवविवाहिता और कामकाजी महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा 54 वयस्क पुरुष, 17 बच्चे व नाबालिग और 10 बुजुर्ग लापता हैं।सबसे ज्यादा मुजगहन में 16, उरला में 18, गुढ़ियारी में 13, खमतराई में 11, टिकरापारा में 9, डीडी नगर, पंडरी में 7-7, आमानाका, गंज, राजेंद्र नगर, खम्हारडीह में 5-5, तेलीबांधा में 4, सरस्वती नगर, पुरानी बस्ती में 3-3, सिविल लाइन, मौदहापारा में 2-2 और आजाद चौक, गोलबाजार, कोतवाली, कबीर नगर में 1-1 मामला दर्ज हुआ है। वहीं ग्रामीण थानों में खरोरा में 7, तिल्दा नेवरा में 5, अभनपुर, धरसीवां, मंदिर हसौद, सिलतरा में 4-4, आरंग, गोबरा नवापारा, माना कैंप में 3-3, विधानसभा में 2 और राखी में 1 मामला सामने आया है।

# मुख्य सचिव की अध्यक्षता में डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

## डिजिटल क्रॉप सर्वे का शेष कार्य 10 नवम्बर तक पूरा करें

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में डिजिटल क्रॉप सर्वे (डीसीएस) की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति, खसरों की जियो-रेफरेंसिंग, पॉलीगॉन निर्माण, फसल की वास्तविक स्थिति के सत्यापन तथा सर्वे के डेटा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।
राजस्व सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने बताया कि राज्य में अब तक 93.84 प्रतिशत डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य पूरा हो चुका है। मुख्य सचिव ने शेष कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे का उद्देश्य प्रत्येक खसरे में बोई गई फसल के क्षेत्रफल को वास्तविक स्थिति के आधार पर दर्ज करना है। इसके लिए फसल का भौतिक सत्यापन, जियो-टैगिंग, पॉलीगॉन निर्माण तथा संबंधित जानकारी को डिजिटल क्रॉप सर्वे में दर्ज कर




अपलोड करना सुनिश्चित किया जाए। 10 नवंबर तक पूरा करें सर्वे का शेष कार्य

मुख्य सचिव ने अधिकारियों और कलेक्टरों को निर्देश दिए कि डिजिटल क्रॉप सर्वे का शेष कार्य हर हाल में 10 नवंबर तक पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन खसरों का नक्शा उपलब्ध नहीं है या जिनकी जियो-रेफरेंसिंग नहीं हुई है, उनकी पहचान कर पॉलीगॉन तैयार किए जाएं और फसल संबंधी जानकारी डिजिटल क्रॉप सर्वे में दर्ज कर अपलोड की जाए। इसके लिए जिलों में उपलब्ध ग्रामवार डेटा का उपयोग करते हुए शेष खसरों में धान अथवा अन्य फसलों की वास्तविक स्थिति दर्ज की जाए। पिछले वर्ष के फसल संबंधी रिकॉर्ड का भी आवश्यकतानुसार संदर्भ लिया जाए।
उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में सर्वे का कार्य 90 प्रतिशत या उससे अधिक पूरा हो चुका है, वहां शेष कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाएं। सर्वेयर, पटवारी और राजस्व विभाग के अन्य मैदानी अमले को सक्रिय कर ग्रामवार प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सर्वे का कार्य केवल औपचारिकता के लिए नहीं, बल्कि वास्तविक फसल स्थिति के आधार पर पूरा होना चाहिए।

# 15 वर्षों का भरोसा फिर बना नई शुरूआत का आधार




**हाउसिंग बोर्ड के नए कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में अतुल लालवानी ने चुना कारोबार का नया ठिकाना**

**सेवा संकल्प अभियान ः सेवा की कहानी- 15 वर्षों का भरोसा फिर बना नई शुरूआत का आधार, हाउसिंग बोर्ड के नए कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में अतुल लालवानी ने चुना कारोबार का नया ठिकाना**

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

किसी भी संस्था के प्रति विश्वास उसकी सेवाओं और कार्यों से बनता है। जब यही विश्वास वर्षों तक कायम रहता है और व्यक्ति दोबारा उसी संस्था को अपनी नई शुरूआत के लिए चुनता है, तो यह उसकी विश्वसनीयता का उदाहरण बन जाता है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के प्रति ऐसा ही भरोसा राजधानी रायपुर के टाटीबंध निवासी व्यवसायी श्री अतुल लालवानी ने व्यक्त किया है। पिछले 15 वर्षों से हाउसिंग बोर्ड के व्यावसायिक परिसर में दुकान संचालित कर रहे श्री लालवानी ने अब मंडल के नए कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में भी अपना व्यवसाय आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है।
मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा आवासीय सुविधाओं के विस्तार के साथ व्यावसायिक अधोसंरचना के विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा नागरिकों और व्यापारियों की आवश्यकताओं के अनुरूप आवासीय एवं व्यावसायिक परियोजनाओं को विकसित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य बेहतर लोकेशन, गुणवत्तापूर्ण निर्माण और उचित कीमत पर संपत्तियां उपलब्ध कराकर व्यापार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना है।

### 15 वर्षों का अनुभव बना भरोसे की सबसे बड़ी वजह

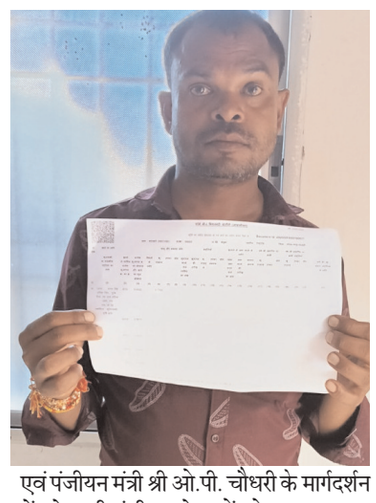
टाटीबंध स्थित हाउसिंग बोर्ड के व्यावसायिक परिसर में पिछले 15 वर्षों से अपनी दुकान संचालित कर रहे श्री अतुल लालवानी बताते हैं कि इतने लंबे समय तक यहां व्यवसाय करने का अनुभव उनके लिए संतोषजनक रहा है। यही कारण है कि जब हाउसिंग बोर्ड ने इसी क्षेत्र में नया कमर्शियल कॉम्प्लेक्स विकसित करने की पहल की, तो उन्होंने एक बार फिर मंडल की परियोजना को प्राथमिकता दी।श्री लालवानी कहते हैं, ÷पिछले 15 वर्षों से मैं हाउसिंग बोर्ड के व्यावसायिक परिसर में अपनी दुकान चला रहा हूं। इतने वर्षों का अनुभव ही मेरे भरोसे की सबसे बड़ी वजह है। आज जब इसी क्षेत्र में हाउसिंग बोर्ड नया कमर्शियल कॉम्प्लेक्स लेकर आया है, तो मैंने एक बार फिर उसी भरोसे के साथ इसे चुना है।श्री लालवानी के अनुसार किसी भी व्यवसाय की सफलता में उसकी लोकेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। टाटीबंध क्षेत्र में एम्स के नजदीक स्थित के लिए उपयोगी विकल्प बन सकता है।

# अब नामांतरण के लिए महीनों का इंतजार नहीं, रजिस्ट्री होते ही मंगल सिंह सांडिया का पूरा हुआ काम

**ऑटोम्यूटेशन से मिली बड़ी राहत, तहसील कार्यालय की दौड़भाग और लंबे इंतजार से मिली मुक्ति**

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

जमीन की रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए महीनों इंतजार करने की परेशानी अब तकनीक आधारित पंजीयन व्यवस्था से दूर हो रही है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के ग्राम कोटकखर्रा, पोस्ट लालपुर निवासी श्री मंगल सिंह सांडिया ने इस बदलाव को स्वयं महसूस किया। पहले जिस नामांतरण के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था, इस बार वह रजिस्ट्री के तुरंत बाद ही पूरा हो गया। पंजीयन विभाग की ऑटोम्यूटेशन सुविधा से उन्हें लंबी प्रक्रिया और अनावश्यक दौड़भाग से राहत मिली। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत पंजीयन विभाग से संवाद में उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए इस नई व्यवस्था को आम नागरिकों के लिए बेहद उपयोगी बताया।
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के विकसित छत्तीसगढ़ के विजन के अनुरूप वित्त



एवं पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में प्रदेश की पंजीयन सेवाओं को सरल, सुगम, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुधार किए जा रहे हैं। संपत्ति की रजिस्ट्री के साथ नामांतरण की प्रक्रिया को जोड़ने वाली ऑटोम्यूटेशन व्यवस्था इन्हीं सुधारों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे नागरिकों को रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए अलग से कार्यालयीन प्रक्रिया पूरी करने और लंबे इंतजार की परेशानी से राहत मिल रही है।श्री मंगल सिंह सांडिया ने बताया कि पहले जमीन की रजिस्ट्री कराने के बाद नामांतरण की प्रक्रिया पूरी होने में काफी समय लगता था। कई बार महीनों तक इंतजार करना पड़ता था। इस दौरान संपत्ति से जुड़े आगे के कार्यों को पूरा करने में भी परेशानी होती थी।
लेकिन इस बार उनका अनुभव बिल्कुल अलग रहा। पंजीयन विभाग की ऑटोम्यूटेशन सुविधा के कारण रजिस्ट्री के तुरंत बाद उनका नामांतरण हो गया। इससे उन्हें न तो महीनों इंतजार करना पड़ा और न ही नामांतरण के लिए अलग से कार्यालयों की दौड़भाग करनी पड़ी।श्री सांडिया ने इस बदलाव पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुएथा।

# इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' का जिला स्तरीय भव्य नाट्य मंचन

**500 से अधिक विद्यार्थियों की उपस्थिति में संगीत और नाट्य प्रस्तुति के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन, सेवा-संकल्प और राष्ट्र के प्रति समर्पण का किया गया चित्रण**

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला मुख्यालय खैरागढ़ के इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय परिसर-2 में 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' का जिला स्तरीय नाट्य मंचन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 500 से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता रही। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने संगीत, अभिनय और भावपूर्ण संवादों के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जीवन, सार्वजनिक सेवा के अनुभवों और राष्ट्र के प्रति समर्पण पर आधारित संगीतमय नाटक प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति में भारतीय कला, संगीत और नाट्य परंपरा के माध्यम से सेवा, जनभागीदारी, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण के संदेश को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया गया। इसके अतिरिक्त भारत के रंग' की सांस्कृतिक




भावभूमि पर आधारित वंदे मातरम की गौरव गाथा पर भरतनाट्यम , कथक की सामूहिक नृत्य प्रस्तुति दी गयी । जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए नाटक के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से सेवा भाव, कर्तव्यनिष्ठा और समाज के प्रति जिम्मेदारी को प्रस्तुत किया। संगीत और अभिनय के समन्वय से तैयार इस प्रस्तुति ने सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का संदेश दिया।'नमो सेवा-अनकही कहानियां' के मंचन का प्रमुख उद्देश्य सेवा और समर्पण के विचारों को जनसामान्य तक पहुंचाना तथा समाज में सकारात्मक योगदान देने की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि जनसेवा केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जनभागीदारी, सामूहिक प्रयास और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों को केंद्र में रखकर विद्यार्थियों ने सेवा के व्यापक अर्थ को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया।

***ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर घटना में इस्तेमाल किया गया हथियार पिस्टल था या एयरगन***

# पिस्टल और एयरगन में उलझी पुलिस! राजनांदगांव में हथियार की पहचान पर उठे सवाल

**संवाददाता ➤ रायपुर/राजनांदगांव**

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में हाल ही में सामने आई कथित गोलीबारी की घटना को लेकर पुलिस अधिकारियों के अलग-अलग बयानों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले में जब्त किए गए हथियार की पहचान को लेकर कोतवाली थाना पुलिस और नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) के कथित बयानों में विरोधाभास सामने आया है। जहां कोतवाली पुलिस हथियार को पिस्टल बता रही है, वहीं सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने इसे एयरगन बताया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर घटना में इस्तेमाल किया गया हथियार पिस्टल था या एयरगन?
प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजनांदगांव में गोलीबारी से जुड़ी एक घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। इस दौरान एक हथियार जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई। हालांकि, हथियार की प्रकृति को लेकर



पुलिस अधिकारियों के अलग-अलग कथित बयानों से स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि कोतवाली थाना पुलिस ने जब्त हथियार को पिस्टल बताया, जबकि क्षेत्र के सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने इसे एयरगन कहा। दोनों बयानों में अंतर होने के कारण पुलिस की जांच प्रक्रिया और अधिकारियों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को लेकर सवाल उठ रहे हैं।
इस मामले में पीड़ित की ओर से पुलिस को शिकायत दिए जाने की बात भी सामने आई है। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों, घटना की परिस्थितियों और दर्ज प्रकरण की धाराओं के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है। पिस्टल और एयरगन की पहचान में अंतर महत्वपूर्ण माना जाता है। दोनों हथियारों की कार्यप्रणाली अलग होती है। सामान्य तौर पर पिस्टल में कारतूस के माध्यम से गोली चलाई जाती है, जबकि एयरगन में संपीड़ित हवा या गैस के दबाव से प्रोजेक्टाइल छोड़ा जाता है। हालांकि, किसी विशेष हथियार की वास्तविक श्रेणी उसकी तकनीकी बनावट और परीक्षण के आधार पर ही निर्धारित की जा सकती है।

### संतोष सिंह को मिली दिल्ली मेट्रो की सुरक्षा की जिम्मेदारी

ऐसे मामलों में जब्त हथियार की तकनीकी जांच महत्वपूर्ण होती है। इससे यह स्पष्ट करने में मदद मिल सकती है कि हथियार किस प्रकार का है और उसकी कार्यप्रणाली क्या है। जांच के निष्कर्ष घटना की परिस्थितियों को समझने में भी सहायक हो सकते हैं। राजनांदगांव के इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब पुलिस ने हथियार जब्त किया है, तो उसकी पहचान को लेकर अलग-अलग जानकारी क्यों सामने आ रही है। क्या अधिकारियों के पास अलग-अलग स्तर की जानकारी थी या फिर हथियार की तकनीकी जांच पूरी होने से पहले बयान दिए गए? इन सवालों का जवाब पुलिस की आधिकारिक स्पष्टता के बाद ही मिल सकेगा।

### अवैध शराब बिक्री की सूचना पर पहुंची पुलिस से भिड़े युवक और महिलाएं

पुलिस अधिकारियों के कथित विरोधाभासी बयानों के कारण विभागीय समन्वय और प्रशिक्षण को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, केवल बयानों में अंतर होने से प्रशिक्षण में कमी या जांच में लापरवाही साबित नहीं होती। जरूरी है कि पुलिस विभाग जब्त हथियार की तकनीकी जांच के आधार पर उसकी वास्तविक पहचान स्पष्ट करे। साथ ही घटना से संबंधित तथ्यों और जांच की वर्तमान स्थिति की जानकारी भी सार्वजनिक की जाए, ताकि किसी तरह का भ्रम न रहे।
फिलहाल उपलब्ध जानकारी में हथियार की फोरेंसिक जांच रिपोर्ट या पुलिस की ओर से जारी अंतिम आधिकारिक निष्कर्ष का उल्लेख नहीं है। ऐसे में यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि जब्त हथियार पिस्टल है या एयरगन। अब इस मामले में पुलिस की आधिकारिक रिपोर्ट और तकनीकी जांच के निष्कर्ष महत्वपूर्ण होंगे। इन्हीं के आधार पर हथियार की पहचान और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।